लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण

विषयः— **भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक का.आ. 1533 (अ), दिनांक 14 सितम्बर 2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के तहत् मेसर्स मॉ कुदरगढ़ी स्टील्स प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम—कंडराजा, तहसील—मैनपाट, जिला—सरगुजा (छ.ग.) स्थित खसरा क्रमांक 301/7, 39 /17, 37, 36, 39/1, 39/13, 39/12, 39/4, 39/7, 39/10, 39/11, 39/6, 39/3, 39/5, 39/2, 39/9, 39/8, 297/3, 297/16, 298, 297/12, 299, 300/5, 300/6, 300/2, 300/7, 300/8, 300/4, 300/3, 301/8, 301/6, 301/1, 301/4, 301/2, 301/428, 301/3, 301/5, 301/11, 301/10, 301/9, 297/1, 297/15, 297/11, 39/14, 297/14, 297/10, 301/12, 301/13, 300/1, 300/1, 300/1, 297/2, 297/2, 322, 303/1, 321, 300/1 एवं 300/1, कुल क्षेत्रफल—135.223 हेक्टेयर में माईनिंग ऑफ बाक्साईट उत्खनन क्षमता—80,700 टन प्रतिवर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दिनांक 30/11/2025 को समय प्रातः 11:00 बजे तहसील कार्यालय मैनपाट के सामने स्थित स्टेडियम नर्मदापुर, तहसील—मैनपाट, जिला—सरगुजा (छ.ग.) में आयोजित लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण**

----000----

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के राजपत्र में प्रकाशित पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन अधिसूचना 14 सितम्बर 2006 यथा (संशोधित) के परिपालन में सूचना का प्रकाशन **दिनांक 30/10/2025 को राष्ट्रीय स्तर पर दैनिक समाचार पत्र 'द हितवाद' एवं क्षेत्रीय समाचार पत्र 'नवभारत' में कराई गयी।** साथ ही लोकसुनवाई की सूचना को बोर्ड के वेबसाईट पर enviscecb.org के पब्लिक कंसल्टेंट के बिंदु क्रमांक **750** पर अपलोड कर प्रदर्शित किया गया। तदानुसार लोकसुनवाई दिनांक **30/11/2025** को समय प्रातः **11:00** बजे से तहसील कार्यालय मैनपाट के सामने स्थित स्टेडियम नर्मदापुर, तहसील—मैनपाट, जिला—सरगुजा (छ.ग.) में आयोजित की गई।

ई.आई.ए. अधिसूचना 14/09/2006 के प्रावधानो के अनुसार प्राप्त ई.आई.ए. रिपोर्ट, एवं कार्यपालक सार की प्रति एवं इसकी सी.डी. जन सामान्य के अवलोकन हेतु डॉयरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोरबाग रोड, नई दिल्ली, क्षेत्रीय अधिकारी, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लाक, सेक्टर—19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला—रायपुर, कार्यालय कलेक्टर अंबिकापुर, जिला—सरगुजा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कार्यालय अंबिकापुर, जिला—सरगुजा, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला—सरगुजा, खनिज अधिकारी कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) अंबिकापुर, जिला—सरगुजा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मैनपाट, जिला—सरगुजा, कार्यालय महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र अंबिकापुर, जिला—सरगुजा, सरपंच/सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत–कंडराजा, नर्मदापुर, उरंगा, बरिमा, कुदारीडीह, पेठ एवं चोरकीपानी, तह.–मैनपाट, जिला–सरगुजा (छ.ग.), सदस्य सचिव, मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, पर्यावास भवन, नार्थ ब्लाक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला–रायपुर (छ.ग.) एवं क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, कन्या परिसर रोड, शासकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के पास, नमनाकला गंगापुर, तह.–अंबिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.) में रखी गई थी।

उक्त परियोजना के संबंध में आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका– टिप्पणियां इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, कन्या परिसर रोड, शासकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के पास, नमनाकला गंगापुर, तह.–अंबिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.) में कार्यालयीन समय में मौखिक अथवा लिखित रूप में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया था। लोकसुनवाई की निर्धारित तिथि तक क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, अंबिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.) में **02 आवेदन** लिखित रूप से उक्त परियोजना के संबंध में आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका–टिप्पणियां प्राप्त हुई। उक्त परियोजना के लोकसुनवाई हेतु निर्धारित तिथि **30/11/2025** को समय प्रातः **11:00** बजे से अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, अंबिकापुर, जिला–सरगुजा की अध्यक्षता/पर्यवेक्षण में स्थान–**तहसील कार्यालय मैनपाट के सामने स्थित स्टेडियम नर्मदापुर, तहसील–मैनपाट, जिला–सरगुजा (छ.ग.)** में लोकसुनवाई समय **11:54 बजे** कार्यवाही आरंभ की गई।

सर्व प्रथम क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, अंबिकापुर द्वारा लोकसुनवाई प्रारंभ करते हुए भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली, ई.आई.ए. अधिसूचना 14/09/2006 यथा (संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोकसुनवाई के महत्तव एवं प्रकिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई। तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से प्रतिनिधि/कंसल्टेंट श्री राम सुशील मिश्रा द्वारा प्रस्तावित परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी गई। तदोपरांत अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी अंबिकापुर, जिला–सरगुजा द्वारा लोकसुनवाई प्रारंभ करने की घोषणा की गई।

क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, अंबिकापुर द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को लोकसुनवाई से संबंधित विषय पर अपने आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका–टिप्पणियां मौखिक/लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। तत्पश्चात् उपस्थित जनसमुदाय ने उक्त परियोजना के संबंध में अपना आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका–टिप्पणियां दर्ज कराया जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	वक्ता का नाम	पता	कथन
01	श्री धनीराम यादव	कण्डराजा	मेरी पत्नी आई है श्रीमती फूल कुमारी यादव उनका 5 एकड़ जमीन फस रहा है 5 एकड़ में ढाई–तीन एकड़ जा रहा है, तारावती है वह तो नहीं आई है। और जो खदान खुल रहा है उनके पक्ष में है रोजगार मिलेगा गांव का विकास होगा इस क्षेत्र में

			अच्छा संदेश तो जाता ही है और विकास तभी होगा जब कुछ उद्योग खुलेंगे फैक्ट्रियां खुलेंगे गांव में कुछ नया होगा वह तो पूरा हाथी प्रभावित क्षेत्र है फसल पूरा खा जाते हैं नुकसान करते हैं हम लोग पक्ष में हैं पूरा परिवार हमारा पक्ष में है।
02	श्री उमेश यादव	कण्डराजा	सभी जगह खदान खुलेगा तो कोई मना नहीं किया है या हाथी प्रभावित क्षेत्र है वहां भी खदान खुलना चाहिए हम लोग हाथी प्रभावित से बहुत परेशान हैं एक तरफ खदान खुल जाएगा तो हम लोग को राहत मिल जाएगा और हमारे ग्रामवासियों का भी कहना यही है की खदान खुलना चाहिए।
03	श्री कृष्ण नंदन सिंह	कण्डराजा	मैं कृष्णा नंदन सिंह, जन पर्यावरण संरक्षण संरक्षण मंडल मैनपाट, जितने खदान बॉक्साइट माईन है, प्रस्तावित है, चल रहे है, मैं सबको बंद करने के पक्ष में हूं। यह देश के लोगों का हमारे आसपास के सभी गांव का नुकसान, पर्यावरण का दूषित बर्बाद कर रहे हैं, चौपट कर रहे हैं और यह बहुत दुःखद बात है की 2021 के एक संगठन बनाया गया है और आज तक शासन कोई ध्यान नहीं दिया है और डायरेक्ट क्या है वह तो शासन समझे, यह बहुत दुखत स्थित है और आगे मै यही कहना चाहूंगा लेकिन हम लोग इसका विरोध करते हैं। मैं आवेदन दिया हूं 14 पन्ने का आवेदन है।
04	श्रीमती रतनी वार्ड क्रमांक 14 (डी.डी.सी.)	मैनपाट	मेरे को यह दिक्कत है कि हम लोगों को यहां खदान खुलने नहीं देंगे और खुलेगा ही नहीं लने नहीं यह जो जनसुनवाई हो रही है इसको हम हम नहीं चाहते हैं कि यहाँ खदान खुले उससे पहले हम जहां खदान खुला है उसको सीएमडीसी पहले प्लेन करें पौधा लगाए पहले जो हुआ है उसको कंप्लीट करें और जो नया खदान के लिए जो प्रस्ताव दिए रहे हैं जनसुनवाई करवा रहे हैं या हम नहीं चाह रहे हैं हम अपने एरिया में कोई 1 इंच भी जमीन नहीं देंगे मां को कुदरगढ़ी कंपनी हो या जिला प्रशासन हो यहां के प्रशासन तो हम ही हैं पूरी पब्लिक है और जितना पब्लिक है वह अपना 1 इंच भी जमीन नहीं देगा उसको खोलने के लिए खदान हम नहीं देंगे और पूरी जनसुनवाई का विरोध इसलिए कर रहे हैं की जो जनसुनवाई हो रही है वह हम लोगों की जानकारी में नहीं था ना कोटवार

			को बताएं ना मुनादी करवाये कोई न्यूज नहीं पढ़ते कोई अखबार नहीं पढ़ते अनपढ़ गवार लोग हैं सब यहां पर हम लोग को पहले ग्राम सभा में बताया जाता की ग्राम सभा में यह हुआ है ऐसा हुआ है की जनसुनवाई इतना तारीख को है हमको अगर जानकारी रहती तब यहां हम आते पूरी टीम पब्लिक आती बस यहां माईन्स वाले लोग उन लोगों को बैठा दिया गया उन लोगों की सहमति ले लिए बस हो गया हम लोग जनसुनवाई इसी के लिए रद्द करना चाहते हैं जनसुनवाई हो तो विशेष ग्राम सभा होने के बाद।
05	श्री राजेश गुप्ता अधिवक्ता	सीतापुर	शाह साहब बाहर क्यों है अंदर लिए तो कल खूब नोट बनते हैं मैं गलत बोल रहा हूं तो बताइएगा सबूत दे दूंगा यहीं पर शाह साहब बाहर घूम रहे हैं आकर थोड़ा जवाब दे दीजिए खूब फाइल लेकर घूमे हैं आप लोग मेरे को मालूम है वह जो शाह साहब है ना, टोपी पहने हुए सर मैं एक निवेदन करूं एक कांतरा फिल्म आया था और कांतरा कोई ऑर्डिनरी पिक्चर नहीं था सत्य घटना पर आधारित था जो भारत सरकार से ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुआ था और कांतारा पिक्चर में यह बताया था और यह सत्य घटना है कि जो केरल जितने फाइव स्टार होटल लोग जंगल कटवाए थे एक–एक लोग के साथ क्या दुर्गति हुआ था वह दिखाया गया है इसलिए मैं जान रहा हूं कि जो सुनील अग्रवाल अनिल अग्रवाल का केक काटा है आप में नहीं बटा है मगर बाकी सब में बटा है सही बात है कि नहीं श्रीमान आप बोल रहे थे ना की लैंड एक्सजेशन में ही सामाजिक समाघत के लिए ग्राम सभा की आवश्यकता है श्रीमान जी कोई बता दे की जनसुनवाई का नियम क्या है किस प्रावधान के अंतर्गत जनसुनवाई कराया जाता है बस यह मैं जानना चाहता हूं जो आपकी अधिसूचना है वह 2006 की है और शासन का लेटेस्ट जो सनी का जो नियम है 2016 का है क्या हुआ ग्राम सभा के लिए नहीं बोलता है क्या सीएमडीसी वाले कौन है कौन पर्यावरण मंडल से है थोड़ा सा हाथ खड़ा कर दें हम लोग काम जानकर हैं थोड़ा सा पूछ लेता हूं आप अपने मकसद में तो सफल हो ही जाएंगे

			आपके ऑर्डर तो पहले से टाइप रहते हैं बेचारे तो गांव वाले हैं गांव वाले माझी हैं मैं थोड़ा सा नियम जानना चाहता हूं की जनसुनवाई किस नियम के अंतर्गत होती है बता दे बस थोड़ा सा खड़ा होकर प्लीज यह छत्तीसगढ़ जो है भुर्जन पुनर्वास पुनर व्यवस्थापन पारदर्शिता सामाजिक समागत करण सहमति तथा जनसुनवाई नियम 2016 के तहत का कोई नियम लागू रह गया है कोई बता दे तो अभी इन लोगों को बता देता हूं। अपर कलेक्टर साहब– भू अर्जन अधिनियम जो है वह उसके तहत पृथक जनसुनवाई है और यह जो वर्तमान में जनसुनवाई हो रही है या पर्यावरणीय जनसुनवाई है और इसका जो नियम है या भारत सरकार के जल वायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली के द्वारा जारी जो अधिसूचना क्रमांक क आ 15 14 सितंबर 2006 या मूल अधिसूचना है या पर्यावरणीय जनसुनवाई है आप जो कह रहे हैं वह भु अर्जन का वह पृथक जनसुनवाई है। 2006 का नोटिफिकेशन का जनसुनवाई हो सकता है क्या श्रीमान अध्ययन कर ले 29 सितंबर 2014 के पहले के समस्त नियम समाप्त हो गए हैं कि नहीं मैं तर्क के आधार पर बोल रहा हूं धारा 71 लागू हो गया है इसलिए आपकी पूरी कार्यवाही शुरू से ही नाल एंड वाइड है शुरू से ही आप धोखेबाजी कर रहे हैं ग्रामीणों के साथ आदिवासियों के साथ धोखेबाजी कर रहे हैं महोदय बस एक चीज बता दीजिए भू अर्जन की बात नहीं है कोई भी परियोजना अगर शासकीय है तो 80 परसेंट अशासकीय है तो 70 परसेंट लोगों की सहमति शुरू में आवश्यक है पर्यावरणीय जनसुनवाई के पूर्व में आवश्यक है नंबर एक नंबर दो क्या बोलता है आपका जो रिपोर्ट है ना उसमें वन भूमि कितना है शासकीय भूमि कितना है बता दे रहा हूं आपका जो या राज्य पर्यावरण समिति का जो रिपोर्ट है या बोलता है कि वन भूमि 8.199 हेक्टेयर है सरकारी भूमि 34.818 है निजी भूमि 92.206 हेक्टेयर है श्रीमान आपने इसको चेक कराया है चेक कराया की

			कैसे घर बैठे तैयार किया जाता है उसका भी सबूत अभी दे रहा हूं। अगर आप मेरी बातों से सहमत होंगे तो अंतरात्मा की आवाज से नीचे उतर जाएंगे आप अभी तहसीलदार को बुलाकर रिकॉर्ड देख लीजिए 92.206 हेक्टर के भूस्वामी कहां गए और यह वन भूमि और सरकारी भूमि की माइनिंग की सहमति पूर्व में लिया जाएगा कि नहीं, भू अर्जन तो बाद की बात है यह ग्राम की जमीन है या डीएफओ का जमीन नहीं है या तहसीलदार का जमीन नहीं है गांव का जमीन का मालिक गांव है और उसके लिए प्रारंभिक रूप से ग्राम सभा की सहमति की आवश्यकता है आप जो भू स्वामी हैं उसे प्रारंभिक सहमति ले सकते हैं मगर जो ग्राम की जो शासकीय भूमि है उसकी सहमति कहां है उसकी सहमति दिखा दीजिए उसके बाद आप जनसुनवाई करिए यह जनसुनवाई नहीं है यह मां कुदरगढ़ी की सुनवाई है अगर इसको आप नहीं दिखाते हैं तो गजब करते हैं सर हम लोग तो आज तक मेरे को तो 35 साल वकालत करते हुए की सुना हूं कि जहां पर जंगली जानवर वहां पर माइनिंग नहीं होगा आप कितना खर्च किए हैं उरंगा आप कितना खर्च किए हैं उरंगा में जाकर देख लीजिए वहां पर एक कॉलोनी बस कर रखे हैं हाथी प्रभावित क्षेत्र में पुर सीतापुर विधानसभा में कण्डराजा उरंगा सबसे ज्यादा हाथी प्रभावित क्षेत्र है वहां पर पूरा कॉलोनी बनाया गया है और वहां पर माइनिंग का प्रस्ताव ले आए सर आज सुबह यह टेंट क्यों निकला आज सुबह रेट टेंट क्यों निकला अगर ग्राम वासियों की सहमति ली गई होती तो कभी ऐसा होता क्या और जहां पर या मां कुदरगढ़ी परियोजना चालू करना चाहते हैं उसे गांव का सहमति नहीं लगा क्या यहां से 6 किलोमीटर दूर सुनवाही कर रहे हैं अगर उनकी सहमति ली गई होती तो टेंट उखड़ता क्या और आपको 2000 पुलिस बल की जरूरत पड़ती क्या यह अंग्रेजी शासन नहीं है तो और क्या है कि आप ग्राम वासियों को 200 ग्राम वासियों की जनसभा को 2000 पुलिस बल के पुलिस बल तैनात करके करा रहे हैं या फेयर जनसुनवाई है क्या, क्या भोले भाले ग्रामवासी नहीं जानते हैं क्या यह जो

			रिपोर्ट तैयार किए हैं ऐसे एफ एफ ए का जो 135 हेक्टेयर भूमि की उल्लेख किया गया है अपने रिपोर्ट में उसको पढ़े हैं कोई यहां पे, खसरा नंबर 305, 306, 302, 307, 308, 303, 308, 297/4, 297/14, 297/10, 301/12, 301, 300/4, 303/1, 39/17, 47, 39/4, 39/12, 39/7, 39/10, 3926, 3925, 3929, 39/17, 297/3, 297/13 रिकॉर्ड में है क्या दिखाइए अभी अभी दिखाइए अगर होगा तो कैसे रिपोर्ट तैयार हो गया ऑफिस में बैठकर कैसे रिपोर्ट तैयार होता है इसका साक्षात ऑन रिकॉर्ड सबूत दे रहा हूं आप देख लीजिए अगर रिकॉर्ड में होगा तो यह नंबर फिर कैसे इसका रिपोर्ट तैयार कर लिए यह तो नंबर ही नहीं है यह खसरा नंबर ही नहीं है क्या मजाक करते हैं जनता के साथ अगर यह खसरा नंबर होगा तो यहां पर खड़े होकर कोई दिखा दे अभी इसको क्लियर किया जा सकता है अभी 5 मिनट के अंदर कोई है दिखने वाले फिर कैसा लिखा गया यह फिर यह रिपोर्ट कैसा है फिर यह जो स्टेट पर्यावरण रिपोर्ट बना है या रिपोर्ट कैसा है फिर जब इतने सारे खसरा नंबर ही इसमें नहीं है और इसके अक्षांश देशांतर हैं इसका मतलब क्या है अगर वह जमीन का स्वीकृति नहीं भी रहेगा तो वहां जाकर खुदाई करेगा कितना बड़ा छल है जनता के शासन में इससे बड़ा धोखा और क्या होगा श्रीमान जब भी कोई वन भूमि में कोई भी प्रोजेक्ट आता है तो एफ आर ए फॉरेस्ट अधिनियम 2006 की नियम 13 और धारा 4 की उप धारा 5 प्रारंभिक प्राइमॉ पेशी रूप से ग्राम सभा की पहले सहमति ली जाएगी क्योंकि वन भूमि में पहले पहला अधिकार सामुदायिक उन ग्राम वासियों का होता है सेठ जी को कितना फरवरी में काम करके आप लोगों को फसाते हैं आधा जो आपका अधिकार भू अभिलेख है ना यह मालिक लोग ही गड़बड़ करके रखे हैं उड़ा रखे हैं जिसको आप लोग ताला बंद करके रखे हुए हैं इतना महान लोग हैं तो यह घर बैठे और ऑफिस में बैठकर रिपोर्ट में रिपोर्ट नहीं बनवा सकते क्या या तो वन भूमि है और इसका खसरा नंबर जो है ना 301/1 यह गोचर भूमि है गोचर का मद परिवर्तन के लिए कोई

			कार्रवाई हुआ है क्या ग्राम का यह संपत्ति है उसको भी डाल दिए हैं उसका विशेष रूप से उल्लेख किया गया है रिपोर्ट में आपको की गोचर का क्या होगा गोचर का भू राजस्व संहिता में विशेष प्रावधान है 135 हेक्टेयर में से रिकॉर्ड केवल 78 हैकटेयर 78.452 हेक्टेयर का है बाकी मैं क्या होगा आसमान से टपकेगा क्या और 52 हेक्टेयर का जो गोस्वामियों की भूमि बताई जा रही है वह कहां गायब हो गया गायब कराया गया ताकि उनकी सहमति की जरूरत ना पड़े, हमको मुआवजा न देना पड़े यह ऑन रिकॉर्ड प्रमाण है सर मैं रिकॉर्ड के साथ प्रमाणित कर रहा हूं अभी केवल और केवल 31 हेक्टेयर गोस्वामियों के जमीन फसी हुई है बाकी कहां गया फिर तो रिपोर्ट गलत है ना, वन भूमि का कोई सहमति नहीं क्योंकि कवि तो मालिक नहीं है उसका वह तो ट्रांसफर होकर आया है ट्रांसफर होकर चल जाएगा और बाकी सब कहां गायब हो गए सभी के खसरा और बी वन मेरे पास है जो बता रहा हूं कितना भूमि गायब हो गया क्या हुआ उसका बताया जाए और दूसरी बात एसडीएम साहब यहां पर है पूछ लिया जाए कि इन्होंने पूर्ववर्ती अधिकारियों से माईन्स का सेशन एक्ट पर साइन कराया कि नहीं सेशन का डीजे उड़कर फाइल में दस्तखत कर लिए हैं लैंड ऑफ जैक्सन का धज्जी उड़ा के फाइल में दस्त खत कर लिए हैं नर्मदा पुर माईन्स चालू हुआ था तो 2008 के एसडीएम के 10 खत थे उसमें ऐसा कभी होता है क्या की 2017 में जो परियोजना आई है उसका भू अर्जन 2008 का अधिकारी कर दे तो माईन्स का सेशन एक्ट अब कहां पर रह गया है कहां पर उसका जीवन रह गया है कि उसमें साइन करा कर रखें गए हैं उसमें बहुत सारे कंसेशन थे आप जहां पर बैठे हैं महोदय उसे 02 किलोमीटर दूर साउथ की ओर माइनिंग है यही लोग मीनिंग किए हुए हैं यही लोग यही मां कुदरगढ़ी वाले नर्मदा पुर में, जितना यह पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के बारे में उल्लेख किए हैं ना कि ऐसा जो क्षतिपूर्ति किया जाएगा वनों को सुधारा जाएगा मिट्टी को संरक्षित किया जाएगा चल के देख लिया जाए कृपया करके बस पूरा दावा खुल जाएगा 2017 में

			जो इनका माइनिंग चालू हुआ है जो ऊपर की 1 फीट की मिट्टी है उपजाऊ वह क्या बोलता है भूगर्भ शास्त्री कि वह हजारों साल में तैयार होता है इसलिए उसे लेयर को सुरक्षित सुरक्षित रखना रहता है और सुरक्षित रख के माइनिंग करना रहता है और आफ्टर माईनिंग फिर उसको जो है वापस लाया जाता है क्योंकि वह अमूल्य प्रॉपर्टी है किया गया है क्या चलिए बगल में देख लीजिए और यहां पर चर्चा करते करते हैं कि रोजगार और विकास कितने लोगों को रोजगार मिला पिछले 9 साल में उसमें से खड़ा कर दे पांच आदमी यहां पर बेचारे लोग को लंगोटी से कंबल मिल नहीं पाया उनको साल भर से 10 कंबल तो बात नहीं है या तो विकास है और इस रिपोर्ट में दिए हैं कि 99 लोगों को रोजगार मिलेगा मैं दिखा देता हूं चलिए कितना शानदार टाऊ का फसल लहरा रहा है देखने लायक है आप देखेंगे तो फोटो खिंचवाएंगे सेल्फी लेंगे आप मैं गारंटी दे रहा हूं इतना सुंदर जगह में इन 99 लोगों को रोजगार देकर गड्ढा खोदने की बात कर रहे हैं सर आप पिछले कुछ सालों से मैनपाट में है मेरा जन्म यहां पर हुआ है इस एरिया में हुआ है सन 90 से 2000 में 1000 आलू के ट्रक ट्रक लगते थे बरसात आलू के इन लोगों ने खोद खोद कर रात का टेंपरेचर 22 से टेंपरेचर खराब कर दिए 30 पहुंच गया एक एकड़ में 20 बोरा आलू लगता है और यहां के लोग 200 बोरा उसमें आलू कमाते हैं ₹50 का आलू यहां पर अभी 70 से 80 ट्रक आलू का बीज लगता है यहां के लोग अभी काम से कम 10–10 लाख 15 लख रुपए एक–एक किसान कमाए हैं तो 1000 ट्रक आलू लगता होगा तो कितने लोगों को रोजगार मिलता है होगा समझिए उसको जो है ना कुछ उद्योगपति और कुछ नेता अपना सूटकेस भरने के लिए इतने लोगों को बेरोजगार कर रहे हैं इसलिए हम इसका विरोध कर रहे हैं इसलिए हम नारा लगा रहे हैं दिल में दर्द होता है की रायपुर दिल्ली और मुंबई के लोग बैठे हुए कुछ नेता और अधिकारी अपनी चिंता करके यहां की ऐसी की तैसी करते हैं आप मैनपाठ को करना क्या चाहते हैं क्यों फिर पर्यटन क्षेत्र बना रहे

			हैं माइनिंग और पर्यटन कहीं दुनिया में हुआ है क्या कि यहां पर एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं अगर होगा तो बता दीजिए होगा एग्जांपल अमरकंटक था बंद कर दिया गया दोनों एक दूसरे के दुश्मन है आप करना क्या चाहते हैं आपका व्यू क्लियर नहीं है फिर क्यों अरबो रुपये पर्यटन के नाम पर बर्बाद कर रहे हैं मैनपाट को जब बर्बाद ही करना है 75 परसेंट तो बर्बाद हो ही गया है 25 परसेंट जो बचा है उसमें भी तो आप लोग सहयोग करिए आप लोग के बच्चे भी आएंगे यहां घूमने आपका भी कोई रिश्तेदार आते होंगे तो मैनपाट आप दिखने लाते हैं टाइगर पॉइंट का झरना दिखने लाते हैं वही झरना को तो ये खदान खोदने वाला है जहां स्रोत है उसका कहां से पानी आएगा किसको लाकर दिखाएंगे टाइगर पॉइंट में केवल बोर्ड दिखाएंगे या फोटो दिखाएंगे की टाइगर पॉइंट ऐसा हुआ करता था उसकी चिंता हम लोगों को है इसलिए उग्र है यहां के लोग टाऊ की फसल भारत में सिक्किम के बाद यहां पर होता है क्या हुआ खदान के अंदर में होगा क्या आप अपने मकसद में कामयाब हो रहे हैं बहुत सारे ऐसा चीज हैं जो मैं लिखित में दे रहा हूं उसको बोलूंगा तो टाइम लॉस होगा या रिपीट होगा सिर्फ श्रीमांन कंदराजा में प्रस्तावित बॉक्साइट माईन्स से उसमें जो है ना लैंड एक्विजिशन की धारा 20, 21, 23, 45, 7 और नियम 17 के उप नियम 6 के उप नियम 6 के प्रारंभिक ग्राम सभा एकदम कानूनी रूप से आवश्यक है अन्यथा धारा 80 में जो उल्लंघन करता हुआ दिखता है 4 साल का दंड पात्रता पात्रता रखता है लिखा हुआ है शाह साहब को बता दे रहा हूं अब इतना आसानी से बात नहीं बनेगा जैसे पहले कर लेते थे जो फाइल लेकर आप घूमते हैं ना अब बंद कर दीजिए नहीं तो कानून इतना कमजोर नहीं है श्रीमान अपने सामाजिक समघाट के लिए कोई कमेटी ही नहीं बनाई है पूछा ही नहीं उनसे सामाजिक समघाट का रिपोर्ट ही तैयार नहीं हुआ इसका अप्रूवल ही नहीं हुआ उसके आगे जनसुनवाई कैसे होगा 2016 में राज्य में राज्य में नियम बनाया है देख लिया जाए आप जो बोल रहे हैं पर यह योजना प्रारंभ करने के पूर्व बोलता है और सूरज में

			नियुक्त बोलता है और उसका डिटेल अगर मैं पढ़ कर सुनाऊंगा तो तो कंपनी वाले बेहोश हो जाएंगे जिसमें से की 29 परसेंट लाभांश किसानों को मिलेगा सुबह से शाम हो जाएगा उसको मैं बताऊंगा तो यह जो सोचते हैं कि मैनपाट जैसे मैनेज करके चल रहा था वैसे चलेगा और यह जो मीनिंग सेशन एक्ट का जो फाइल तैयार किए हैं आप पूछ लीजिएगा देख लीजिएगा उसमें तीन कंडीशन है था अब वह चेंज हो गया है धारा 81 में धारा 81 में या हो गया या एक तो भूमि बंजर हो वहां पर टाऊ की फसल लहरा रही है दूसरा शत प्रतिशत भू स्वामी की सहमति हो तीसरा अगर शासकीय भूमि हो तो ग्राम सभा सहमति हो और चौथा आश्वासन हो कि उसे भूमि को वापस मीनिंग करके इस अवस्था में पुनर स्थापित किया जाएगा धारा 81 आज तक किसी भी तरह से फुलफिल किया गया है क्या कि अभी किया जाएगा और बंजर है कि नहीं वह चलकर अभी देख लिया जाए अभी बुला लीजिए पटवारी यहां पर होगा की प्रस्तावित स्थल जो है अभी यह जो गोचर बता रहे हैं तो बंजर कहां से होगा आप ही का रिकॉर्ड और उसमें बांस बड़ी लगा हुआ है वन भूमि हैबांस प्लांटेशन है तो धारा 81 कहां से लागू होगा गजब बात है भाई अब जो है या अनुसूचित क्षेत्र है पेसा एक्ट लागू है पांचवी अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत है और उसमें भी माझी बहुल ग्राम है आप वहां पर दुनिया भर के जो है सामाजिक फंड बनते हुए हैं तो क्या सब उनको इन प्रावधानों को एक किनारे करके दर किनार करके या उद्योगपतियों को दे दिया जाएगा की कोई कानून है कि नहीं की क्या केवल जनसुनवाई ही दिखाने के लिए है जल स्रोत इन्होंने अपने रिपोर्ट में ही बताया कि 10 किलोमीटर के अंदर परिधि में 6 नदियों का उद्‌गम स्थल है संभव है क्या कि जहां पर 10 किलोमीटर के परिधि में 6 नदियों का उद्‌गम हो वहां पर मीनिंग हो सकता है या इनके रिपोर्ट में है और इनका रिपोर्ट या बोलता है कि हम 29 डिसमिल जमीन में डंपिंग करेंगे 29 डिसमिल जमीन में कभी बॉक्साइट लगभग 80 हजार मैट्रिक टन का उत्पादन हो 29 डिसमिल जमीन में उसका

			डंपिंग होगा क्या सर आप तो कुछ तो परीक्षण करते 6 एकड़ जमीन में बोलते हैं कि हम पर्यावरण शुद्धि के लिए पेड़ लगाएंगे उसे पर्यावरण मेंटेन होगा और पेड़ जो 450 एकड़ का कटेगा उसे खराब नहीं होगा वह रिपोर्ट, उनके रिपोर्ट में आप बताया ही नहीं गया है कि पेड़ कितना कटेगा इन में ऐसा पर्यावरणीय रिपोर्ट तैयार होता है क्या राज्य का की जिसमें अभी नहीं बताया गया है कि पेड़ की संख्या कितनी है उसके किम क्या है कितने दुर्लभ किस्म के हैं स्पेशल क्या है कितने की प्रकार के जीव जंतुओं का आवागमन एवं रहवासी क्षेत्र है उल्लेख ही नहीं है उल्लेख ही नहीं है तो इसका घर बैठे रिपोर्ट बनाने की आदत है इनका या फिल्ड में थोड़ी ना आए हैं गूगल अर्थ से लिए और कॉपी पेस्ट किया पिछला प्रोजेक्ट का पेश कर दिए या पी एफ जॉन जो आता है उसमें हमारे विधायक साहब हर साल जल चढ़ाते हैं 4 किलोमीटर पर है चूरकी पानी है ना मंदिर का नाम इसका उल्लेख ही नहीं है ऐतिहासिक धरोहर है एक किलोमीटर है बता रहे हैं कंद राजा और नर्मदा पर यहां यदुवंशी और मांझी दोही समाज के लोग ज्यादा हैं और जो यह यदुवंशी है उनका जीवन है अपन क्या चीज से चलता है गोचर भूमि से पशुपालन से ही ना उनका एकमात्र चारागाह वही है जहां पर आप खुदाई करवाने वाले हो बड़े–बड़े जेसीबी से जो गए गुरु यहां के पशुधन है उसका क्या होगा वह बेचारे हाथी जो यहां साल में 8 महीने रहते हैं वह बेचारे क्या करें उनका यह दुनिया नहीं है क्या उनका यह जंगल नहीं है क्या उनका यह घर नहीं है क्या और वहां ब्लास्टिंग करेंगे धाएं वाला, ब्लास्टिंग अगर सुनना है ना थोड़ा वहां चल जाइए जहां पर हो रहा है दो ढाई बजे उछल जाएगा आप वहां पर ढाई फीट सर जो ई आई ए जो रिपोर्ट है ना उसमें इसका जिक्र ही नहीं है की चरागाह कैसा होगा वन कैसा होगा क्षतिपूर्ति की तो बात दूर छति क्या होगी यही उल्लेख नहीं है बस कॉपी पेस्ट कॉपी पेस्ट किया इसका सबसे बड़ा उदाहरण आपका रेवेन्यू रिकॉर्ड दिखा दिया मैंने 2006 में किसी ने बनाया था उसकी कॉपी पेस्ट करके आपके सामने पेश कर

			दिया गया और आप लोगों को फंसा दिए यहां पर जो नंबर अस्तित्व में नहीं है उसका आप जनसुनवाई कर रहे हैं इससे ज्यादा दुर्भाग्य गया और क्या होगा और गोस्वामी को क्षतिपूर्ति ना देना पड़े इसलिए वह सब डिलीट हो गए हैं सर यहां पर पर्यावरण मंडल के जो है वह बता दें कि तोपोशीट होना चाहिए कि नहीं होना चाहिए खसरा पान मसाला होना चाहिए कि नहीं होना चाहिए जनसुनवाई में बता दे है क्या अगर होगा तो सर मेरे को दिखा दिया जाए जनसुनवाई स्थल में कौन–कौन से दस्तावेज होने चाहिए आवश्यक रूप से जनसुनवाई में कोई दस्तावेज की आवश्यकता है कि नहीं है और है तो कहां है दिखाइए कि केवल माइक थमा दिए हैं तो सर मैं अभी वही बात बोल रहा हूं तो ठीक है सेठ जी का केक काटा है सब में बटेगा मगर जो खाएगा ना वह कांतारा फिल्म देख लेगा उसके केक का क्या असर होता है क्या असर होता है यहां पर तो कागज आपका है फाइल आपका है मंच आपका है आदेश आपको टाइप करना है हम लोगों का और ग्राम वासियों का उसमें तो कुछ चलना नहीं है हम सब जानते हैं कि इसका रिजल्ट क्या होने वाला है आपकी जनसुनवाई का आप चाह कर भी उसमें परिवर्तन नहीं कर सकते हैं इसी बात का तो इनका विरोध था की कह के लिए नहीं फॉर्मेलिटी पूरा करना जब आपको करना ही है आपको लूटने ही है इन सब ग्राम वासियों को खदेड़ना ही है और मैनपाट को खोदापुर बनाना ही है तो कह के लिए जनसुनवाई अंबिकापुर में बैठकर ही जैसा यह इ आई ए रिपोर्ट जैसा घर में बैठकर बनाया है वैसे जनसुनवाई का भी रिपोर्ट बनवा लेते दो–चार–10 आदमी को माइक पड़वा कर वहां पर भाषण दिलवाते थे श्रीमान बड़ा कष्ट होता है कि जो 14 नवंबर 2006 की नोटिफिकेशन आप जनसुनवाई कर रहे हैं उसके बारे में आप गंभीर रूप से परीक्षण करें पहले की 2006 के बाद गंगा में कितना पानी भर चुका है कितने नए नियम आ गए हैं कितने पुराने नियम समाप्त हो गए हैं उसको तो कम से कम अवलोकन कर लेना चाहिए था तो सर इन सब कारणों से मैं

			लिखित में दे रहा हूं और हम लोग सब आपके इस दिखावा पूर्ण जनसुनवाई का बहिष्कार करते हैं जनसुनवाई बंद करो जनसुनवाई बंद करो जनसुनवाई बंद करो जनसुनवाई बंद करो भजन सुनाए बंद करो।
06	श्री गणेश कुमार यादव (पंच, पूर्व उपसंरपंच)	बरिमा	जनसुनवाई में जो खदान संबंधी है मैं अभी सुन रहा था कि जिस प्रकार से लोग जनसुनवाई के दिन भाषण देकर चले जाते हैं इसके बाद में मैनपाट को अकेला छोड़ जाते हैं मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि जिस स्थिति में अभी कण्डराजा वैसी समय बिता रहे हैं 15 साल से हाथी प्रभावित क्षेत्र में है जब उनका घर टूटता है जब वह रात रात को आग जलाकर बाहर भटकते हैं या भीड़ कभी उनका सहयोग देने के लिए नहीं पहुंचा जो आज पहुंच रहे हैं मैं उन्हें बताना चाहता हूं जिस स्थिति में कण्डराजा वैसी अपना दिन व्यतीत कर रहे हैं उसे समय बड़े–बड़े जो दवा ठोक रहे हैं जो समाज सेवा का ठिका लेकर बैठे हैं उन्हें एक बार उन्हें घर जाकर देख कर चूल्हा फोन उन्हें एक बार उन्हें घर जाकर देख कर चूल्हा फुकने का भी मौका नहीं मिलाका भी मौका नहीं मिला आज पक्ष विपक्ष का जो यह बात रख रहे हैं मैं शासन को निवेदन करता हूं की जो भी क्षेत्र जो कण्डराजा में किसानों का है जांच कर उनको उनके जो फसल जिनका जो खसरा फंसा है उनसे विशेष चर्चा कर उनका रास्ता निकालकर उनसे खंड राजा के लोग निर्णय कण्डराजा के लोग लेने के लिए सक्षम है मैं एक चीज चाहता हूं शासन के आदमी से क्या वहां पर जो आप वह फैलाए हैं आप यह क्लियर कीजिए क्या वहां प्लाट खुलेगा या बॉक्साइट खदान मुझे माइक से जवाब चाहिए आप लोग बताइए क्या वहां बॉक्साइट खुलेगा या प्लांट खुलेगा। क्षेत्रीय अधिकारी– केवल वहां बॉक्साइट खदान खुलेगी प्लांट नहीं खुलेगा। अफवाह फैलाया गया है 2 महीना से मैं देख रहा हूं कि लोगों को यह अफवाह भ्रम में रखा गया कि आप जहां प्लांट खुलेगा आप लोग बर्बाद हो जाओगे

			कण्डराजा वैसी लोग गुमराह में थे और जो वहां पर आज जो शुभचिंतक बना रहे हैं और ग्रामीण से सर्वे करे जो भी जनप्रतिनिधि यहां पर शुभचिंतक बने हुए हैं सर्वे कराया जाए कि जो भी यहां पर कल्याण किए हैं ईटा भट्ठा पर रोजगार करने पर मजबूर हो गए हैं आज जो बोर गाड़ी पर जाकर मजबूर हो गए हैं सब वहां से यहां लाश भी आता है जो यहां पर बोर गाड़ी में जाकर रोजगार करने जाता है रोजगार उनको मुहैया कराया जाए अगर उनके पास सिस्टम व्यवस्था है उसे सिस्टम व्यवस्था में हम भी उनके साथ हैं हमारे सब जनप्रतिनिधि हम भी जन प्रतिनिधि हैं हम भी उपसरपंच वहां के रह चुके हैं जो किसानों के साथ जो जल जंगल जमीन जो नदी है उसका सभी को ध्यान में रखते हुए उनका रक्षा करते हुए किसी का अनहोनी ना हो जिसका जो जल जंगल जमीन है हम भी उनके साथ में हैं हम भी समर्थन करते हैं कि हमारा मैनपाट हरियाली और जल जंगल जमीन रहे आप जिस क्षेत्र को खुदाई किए हैं उसे क्षेत्र में अच्छा पर्यावरण होना चाहिए समतलीकरण होना चाहिए मजदूरों को दलालों के हिसाब से नहीं छोड़ना चाहिए मजदूरों का जो हक होता है जो मेहनत पसीना होता है पसीना सूखने से पहले उनका भरपाई मिलना चाहिए मै जो देख रहा हूं कि इस माहौल को अधिकार है अधिकार सभी को बोलने का है अभी किसी ने बोला हम लोगों को एक शब्द बोले जो सबका अधिकार है अधिकार बराबर होता है यह नहीं कि आप किसी का जानकारी है तो आपका अधिकार ज्यादा है जानकारी हमको भी है मैं जो अभी मैनपाट का माहौल है आज यहां 35 साल से खदान संचालित हो रहा है अंयंत्र जगह पर खदान चल रहा है वहां पर लोगों को जो रोजगार और अभी बोल रहे थे कि कितने लोगों को रोजगार मिला है तो हमारे मैनपाट में मैं एक चीज बताना चाह रहा हूं कि हमारे बारे में भी जो बरीमा खदान संचालित हो रहा है उसमें 7 साल के एग्रीमेंट खदान था जिसमें से 7 साल पूरा होने के बाद भी नहीं खुदाया और फिर उनको पूरा मुआवजा मिल रहा है जिसमें उन्होंने अभी सभी ने सहमति दिया है जमीन नहीं खुदाई फिर भी उनका

			लाभ और दोबारा मुआवजा मिला और जिसे जमीन खुद गया है और खेती योग्य नहीं है उसको भी खदान के तरफ से 2 साल का मुआवजा जब तक वह समतलीकरण या कृषि योग्य नहीं बन जाता तब तक एग्रीमेंट और मुआवजा देने का बात बात रखी गई है भाइयों में बताना चाहता हूं कण्डराजा में जो किशन जिनका हक जिनका फसल है उनका ध्यान देते हुए उनका सत्य जांच करके उनका जो सही हक है हक मिलना चाहिए उसे हक में हम उनके साथ में हैं या नहीं कि हम आज खदान खोलने को कह रहे हैं यह खदान यहां से 36 साल 37 साल से खुलते आया है और जिसको खदान यहां पंचायत बोलते हैं आज आज यहां गम की बात है यहां कुछ हो गया है बाकी वह सक्षम है लेकिन मैं यह बताना चाहता हूं भावना जो डाला जा रहा है आपने यह जो अच्छा क्लियर किया कि वहां पर प्लांट नहीं बॉक्साइट खदान खुलेगी बॉक्साइट खदान खुलेगी उसको ग्राम सभा कण्डराजा को उसका जो सक्षम उसका जो पूरा अधिकार है वह अपना बैठक करके अपना ग्राम सभा करके वह जो भी प्रस्तावित होगी जो भी समस्या होगा उनका जो जनप्रतिनिधित्व है वह अपना समस्या को रखें और उनकी लड़ाई में हम सभी उनका हम सभी मैनपाट के लोग साथ देंगे रही बात पर्यावरण की मैं आपको बताना चाहता हूं कि जिस हिसाब से कहीं–कहीं आपका जो समतलीकरण वहां समतलीकरण के वहां वृक्ष लगाए मैं यह बताना चाहता हूं कि की जो अभी लिप्टिस का वृक्ष लग रहा है उसके जगह पर आप फलदार वृक्ष लगाए हमारे गांव और हरियाली होगा और जो नदी जो बह रही है पानी जो बह रहा है जो ब्लास्टिंग जो पहले जो होता था कंपन जो होता था अभी आपके पास ऐसा सिस्टम होना चाहिए कि उसको पर्यावरण को छाती नहीं पहुंचनी चाहिए पर्यावरण क्षति होगा मैनपाट वाले हम बर्दाश्त नहीं करेंगे पर्यावरण हमारा मैनपाट पता छोटा शिमला कहा जाता है पर्यावरण रहने दिया जाए ठीक है सरकार का जो नियम फॉलो है नियम फॉलो करिए कुछ ग्रामीण जो वहां के कुछ लोग हैं उनके हिसाब से उनको बातों को सुनकर चलना पड़ेगा मैं तो नहीं

			जानता की जमीन किसान का जो है अभी जो है उनका पूरा सर्वे करा कर उनका विचार बैठकर किसान का भी बात आपको सुना होगा जनसुनवाई के बाद आज जो स्थिति है हमेशा यही सुनवाई होती आया है पक्ष विपक्ष बात रखते हैं लेक़िन मैं लेकिन आज जो उसमें जो मजदूरी संबंधी जो है उनका जो सही रेट है उनका जो सही काम है उसे आप आप सभी को जनसुनवाई में ध्यान दे रहे हैं अधिकारी हो जनप्रतिनिधि हो वकील साहब हो मीडिया प्रभारी हो सभी लोगों को हमेशा में मैनपाट में जो खदान जुड़े हैं उनके साथ आप सभी लोगों को देना होगा साथ में लेकर चलना होगा बाकी मैं ज्यादा ना कहते हुए मैं एक बार पुनः कहता हूं जो हमारे हर गांव से जो हमारे कल्याण कर रहे हैं कुछ लोग अभी भी ईटा भट्ठा में जाकर पूरा परिवार के साथ हमारे बोर गाड़ी में जाकर के ऐसा ऐसा समय बीतता है कि वहां से लाश आती है बहुत तकलीफ होता है गांव में या मैनपाट में ही रोजगार मिले तो बाहर जाने की जरूरत नहीं होगा इसलिए मैं समर्थन करता हूं और गांव के लोगों को रोजगार के लिए आपको आग्रह करता हूं की सभी को ध्यान में लेते हुए उनके हिसाब से आपको चलना है।
07	श्री त्रिलोक यादव	कण्डराजा	हमारे ग्राम कण्डराजा में खदान खुलना चाहिए हमारे ग्राम कण्डराजा में माईन्स खुलना बहुत आवश्यकता की बात है काहे के 2017 से वहां पर लोग बहुत दुखी हैं ना किसी का घर है ना किसी का खाने का अनाज है बहुत लोग अभी कुछ–कुछ बात करते हैं जब बातों का महीना आता है तो कोई नहीं दिखता है कोई और तो हाथी तो खाई जाते हैं जो कुछ भी होता है यहां पर जो माईन्स खुलेगा उसमें हम लोगों का बहुत बड़ा मुनाफा होगा घर द्वार बनाने के लिए और पूरा गांव भी टूट गया है वहां पर और बाकी दूसरे जगह के लोग कह रहे हैं वहां पर फर्जी वाला कर रहे हैं वह नर्मदा पुर के गांव का खेत है कण्डराजा वाले का नहीं है ग्राम कण्डराजा में माईन्स खोलना चाहिए नर्मदा पुर का मीटिंग नर्मदा पुर में किया जाए कण्डराजा में खुलना चाहिए वह गांव ठीक गांव है।

08	श्री सरजू यादव पूर्व भाजपा मण्डल अध्यक्ष	नर्मदापुर	नर्मदा पुर और कण्डराजा की पंचायत है अभी जो अलग हुआ है तो खदान मतलब कण्डराजा में खुलना चाहिए हाथी प्रभावित क्षेत्र है वहां खेती--बाड़ी तो बसता नहीं है सब हाथी का जाते हैं उससे अच्छा है खदान खुलेगा तो आदमी रोजगार करके अपना जीवन यापन कर सकेगा फसल तो सब हाथी का जाते हैं पूरा और बाकी जो पर्यावरण का ध्यान देते हुए जितने भी नदी हैं उसे नदी के स्रोत को ध्यान में देते हुए और अपना खदान संचालित करें और यह मैनपाट तो शिमला के नाम से जाना जाता है उसका भी रक्षा करने का कोशिश करें बढ़िया फलदार वृक्ष लगाए और जितने मजदूर काम करते हैं और उनको भी जो सही मापदंड है सरकार की तरफ से उतना पैसा उनको मिलना चाहिए ताकि उनका भी हक पूरा मिलना चाहिए बस इतना कह कर मैं अपनी वाणी को विराम करता हूं।
09	श्री चन्द्रप्रकाश सोनवानी	नर्मदापुर	जनसुनवाई अध्यक्ष अपर कलेक्टर साहब को मै निवेदन करूंगा कि मेरे बात को थोड़ा ध्यान करेंगे सर यह जो नर्मदा पुर का आश्रित ग्राम कण्डराजा कहलाता है अभी विगत 5 वर्षों से या उरंगा के साथ कंबाइन पंचायत बनी है मैं विगत कई वर्षों से नर्मदा पुर कण्डराजा एक ग्राम सभा हुआ करता था इसमें हम सभी मिलजुल कर रहे थे मैं चंद्र प्रकाश सोनवानी हम लोग 57 लोग राजेश्वर यादव पिता सरजू यादव त्रिलोकी यादव पिता ठाकुर यादव सुरेश यादव सिद्धनाथ दया यादव पिता सुदामा यादव धीरेन रवि दिनेश दोहरी ऐसे हम लोग बहुत लोग हमारे पिताजी वगैरह हमारे दादा परदादा जब से वह 301 बटा ऐसे तीन चार पांच जो आपके खसरा नंबर हैं काबिज हुआ करते थे वहां हम लोग रहे हैं हमारे पिताजी वगैरह रहे हैं खेती–बाड़ी करते थे लेकिन इसमें जब पंचायत अलग हुई कण्डराजा अलग पंचायत बना इसमें कई प्रकार के फर्जीवाड़ा हुआ जमीन के नाम पर पट्टा और लोन कई प्रकार के से चलती रही है जिसको आप लोगों को ध्यान में रखना होगा हम लोगों के पिताजी आज शिक्षित और गरीब होने के कारण पट्टा नहीं बनवा पाए वहां हम लोगों का जप्ती नामा हुआ है कार्यवाही हुआ है कोर्ट केस लड़े हैं चाहे तहसील हो या एसडीएम हो

			चाहे सिविल कोर्ट हो हम लोग गए हैं और अभी–अभी उसका पावती है नकल है उसको उपलब्ध कराएंगे हमारे काबिज होने का कई हक इसका पुख्ता सबूत है और न्यायालय से लेकर हाईकोर्ट तक या विचाराधीन चल रही है ध्यान रखिएगा महोदय जब हम लोग वहां रहा करते थे हम लोग काबिज में थे कोर्ट केस हुआ है इसका उन लोग लड़े हैं इसका भी कॉपी उपलब्ध कराएंगे लेकिन इसमें आपको हम लोग वहां पर काबिज थे उसे समय का ग्राम सभा जानती है वहां का बीडीसी जानती है तहसील कलेक्टर सभी का पार्टी है हमारे पास वन विभाग वगैरा का इसको ध्यान दिया जाए और जो उचित लोग हैं वहां पर जो वहां पर काबिज रह चुके हैं आज कारण वाश उनको खदेड़ा गया है कई अभाव में आकर तो उनका ध्यान में रखते हुए उनकी जांच में रखते हुए खदान खुले ऐसा हम लोग भी आशा करते हैं लेकिन जंगल वहां बांस लगी है वहां कहीं पर कर का है वहां टाइगर पॉइंट नदी टाइगर पॉइंट का स्रोत है यह सब ध्यान में रखते हुए हम लोग समर्थन करते हैं लेकिन जब तक सही निराकरण नहीं होगा हम लोग इसमें पुनः आवेदन दिए हैं अपनी बात रखे हैं और आपको मैं बार–बार पुनः बोलना चाहता हूं कि न्यायालय में विचाराधीन है चाहे शिविल कोर्ट हो या हाई कोर्ट हो हमारे पास कॉपी है तुम्हारे पास पुख्ता सबूत है और उसे समय का कॉपी है जिस समय उच बह नहीं हुई थी जबलपुर की कॉपी हमारे पास है महोदय अध्यक्ष महोदय कलेक्टर महोदय को मैं ध्यान कराऊंगा की ध्यान में रहे और जो हम जो नाम लिखवाए हैं चंद्रप्रकाश सोनवानी त्रिलोकी यादव रवि दिनेश दोहरी ऐसे करके ज ब से करके हमारा चुके हैं जब नर्मदा पुर में हमारे आश्रित ग्राम कण्डराजा कहलाते थे ज्यादा ना कहकर हमारे पास जो काबिज है न्यायालय में विचाराधीन है आशा करता हूं कि हमारा भी बात को रखा जाएगा ध्यान में रखा जाएगा फिर आगे की कार्रवाई की जाए धन्यवाद।

10	श्री देवसाय बी.डी.सी.	बरिमा	यहां रोजगार का बात बहुत सुनाई में आता है लेकिन मैं यहां 35 साल से खदान का दोहन देख रहा हूं अभी तक मैं एक भी रोजगार नहीं देखा हूं विशेष कर आदिवासी जनजाति जो पिछड़े वर्ग के हैं वह मानसिक रूप से गुलामी में है उनका कोई भी ध्यान नहीं दिया जाता है खदान चलते तक ही उनसे पत्थर तोड़वाएंगे कोई बराबरी करवायेगा ऐसे कर करके कोई कोई करते हैं इसके बाद खदान चल जाता है इसके बाद बेचारा फिर से परेशान में फंस जाता है उनका जल जंगल जमीन का जो मालिक रहा करते थे लेकिन उनका जमीन को ही खोद के वह कंपनी वाले भाग जाते हैं इस चीज का मेरे को बहुत बड़ा दुख लगता है इस चीज को ध्यान में रखते हुए जमीन को पहले मैं तो या कहूंगा कि जितना भी पहले गड्ढा है उसको पहले प्लेन करिए प्लेन करने के बाद ही खदान खोलिए मैं तो यही खाऊंगा बाकी मैं तो देख रहा हूं की समस्या और भी ज्यादा बढ़ते जा रहा है समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे हैं तो अधिकारी कर्मचारी इस बात का ध्यान दें लोगों को बहुत परेशानी हो रहा है कोई चिंता में कोई नशा पानी कोई गिर के मर जा रहा है कोई फांसी लगाकर मर जा रहा है ऐसा स्थिति आया है बड़े–बड़े गड्ढा खोद दिए हैं उसमें मवेशी इसमें कितना गिर–गिर के मर गए लेकिन उसका समतली कारण नहीं किया गया मुआवजा नहीं मिलता है इस टाइप का स्थिति आ गया है मैनपाट में अरे पर्यावरण का स्थल है मैनपाट, मैनपाट को छत्तीसगढ़ का शिमला कहा जाता है, लेकिन शिमला के हिसाब से यहां जो विकास होना चाहिए यहां मैं नहीं चाहूंगा कि यहां विनाश मैं इसका विरोध भी करता हूं और अच्छा जो पहले खुद आ गया है उसको प्लान करके गरीबों को वापस दिया जाए उसके बाद ही खदान का समर्थन करूंगा या फिर प्लेन नहीं होते तक मैं विरोध करूंगा और विरोध करते रहूंगा कहे कि उसमें मेरे भविष्य का बात है मेरे बाल बच्चे पैदा हो रहे हैं वह कहां जाएंगे आगे चलकर और बड़ा परेशानी फंस जाएगा उसको पहले बढ़िया प्लेन करें उसमें खदान

			भी खोले उसमें समर्थन करेंगे हम लोग नहीं तो हमेशा विरोध करते रहेंगे हमेशा।
11	श्री आसमति नाथ	बरिमा	मैं यहां यह पूछना चाहती हूं कि आज तक बॉक्साइट खदान खुला किसी माझी को अगर नौकरी मिला या उसका भविष्य बना है तो मुझे बताने की कृपा करें यहां बॉक्साइट खोलने से आज तक किसी भी माझी परिवार को ना नौकरी मिला है और ना फायदा हुआ है उसमें से केवल बर्बादी हो रहे हैं यहां नाम केवल माझी लोग का होता है और काम दूसरे लोग करते हैं जबकि यहां के रहने वाले मूल निवासी आदिवासी माझी लोग ही हैं उनका फायदा अगर कास्ट के लोग उठाते हैं क्या कोई बता दे अगर बॉक्साइट खदान खुलने से आज तक किसको लाभ हुआ है माझी लोग को तो कभी नहीं हुआ है किसी भी क्षेत्र में देख लीजिए तो माझी लोग का कहीं नाम भी नहीं है और यहां बार–बार बोला जा रहा है कि कहीं दूर–दूर काम करने जा रहे हैं इसका कारण जानने का कोई कोशिश किए हैं आज तक कि आखिर उन लोग बाहर क्यों जा रहे हैं जब उनका जमीन नहीं रहेगा तो क्या करेंगे क्या काम आएंगे क्या कहेंगे अपने बाल बच्चों को क्या खिलाएंगे उनका भी यहां रहने का कोई कारण होना चाहिए 2017 में पिछले साल ऐसा ही हुआ था बॉक्साइट खदान खुला खोलने के बाद भी जितना कम होना था हुआ लेकिन आज तक समतलीकरण नहीं किया गया तो उसमें कोई खेती अनाज कैसे उगाएगा अगर अनाज उगाने लायक ही समतल कर भी दे तो क्या वहां पानी रह सकता है क्या मिट्टी और पत्थर को उसको बनने में लाखों साल लगते हैं क्या एक–दो दिन में समतलीकरण खेती योग्य हो जाएगा बताइए और यहां दुनिया भर का भाषण दे रहे हैं कि कोई कोई बाहर काम करने जाते हैं बाहर से लाश आता है उसका कोई कारण नहीं है यहां भी तो पर्यटन स्थल है बाहर के लोग आते हैं घूमने यहां से उनका इलाज जाता है इसका कारण कोई बता सकता है क्या कोई बताने का कष्ट करें कोई कहीं बाहर जा रहा है सफर कर रहा है उसका कहीं डेट हो जा रहा है क्या कारण उसका है क्या कि वहां जाएगा तभी उसकी डेट होगा अभी गणेश

			यादव जी जिनकी बात कर रहे हैं जो लड़का डेट किया है वह मेरा भाई था उसका बोलना जरूरी है क्या बताएं भाई वह कहीं गया कुछ कारण रहा होगा किसी यार दोस्त के चक्कर में और रास्ते में डेट हो गया तो उसका क्या गलती है यहां पर उसका उछालना जरूरी है क्या बताइए कहां गए गणेश यादव मैं यही कहना चाहता हूं कि यहां बॉक्साइट खदान न खुले भाई उसके छोटे–छोटे बच्चे हैं उन लोग क्या करेंगे उनके बच्चे हैं अभी तीन–तीन साल के कौन पढ़ेगा उनकी वाइफ है वह क्या करेगी अभी पूरा जीवन बॉक्साइट खदान न खुलता तो या हालत नहीं होती वह कितना अच्छा इंसान था सब कोई है उसको अच्छा कहते थे बताइए उनके बच्चे का भविष्य कैसे बनेगा या जो भी समस्या हो रहा है इन सब का कारण बॉक्साइट खदान है या ना होता तो ऐसा स्थिति अभी नहीं होता सब कोई अपने घर से भी घर तो हो ही रहे हैं क्यों हो रहे हैं बॉक्साइट खदान खुलता है कितना दिन चलता है कोई बता दे किसी माझी समुदाय किसी का भी भविष्य बना है क्या कोई बता सकते हैं बताएं आज तक किसी का भविष्य बना है क्या जमीन को समतलीकरण करने से पौधा रोपण यहां का हरियाली वापस आ जाएगा क्या पेड़ को बड़ा होने में कितना समय लगता है बताइए 2 दिन का काम है क्या लगाए और पौधा हो गया कोई बताएंगे कितना दिन में जमीन बनकर तैयार होता है खाने का लड्डू है क्या मिल गया बन गया थाली पर और गटक गए, कोई बता देना किसी का घर में क्या स्थिति है हर बार वही बोला जाता है हर काम का हर समय किसी का कारण होता है जरूरी नहीं है बॉक्साइट खदान यहां नहीं होना चाहिए और वही शब्द सुन सुनकर अच्छा नहीं लगता है हम लोग का खेत और जमीन वही है जो बाहर से आए हैं उन लोगों को अपने घर के दरवाजे पर खोलें यहां मैनपाट मे नहीं खोलने देंगे जहां से आए हैं वहीं चले जाएं जिन और जिनको भी अब जो कार्यवाही करना है अपने घर पर जाकर करें यहां मैनपाट पर नहीं और हम हमेशा इसका विरोध ही करुँगी लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए हम यहां खेती करते हैं पहले

			की स्थिति से बहुत कम होता है अनाज पहले जो होता था उसकी क्षमता में अब कुछ भी नहीं होता है पहले इतना होता था कि 1 साल के 2 साल कहते थे फिर भी रह जाता है लेकिन अब वह स्थिति नहीं है मुश्किल से बहुत कम अनाज उगता है कारण क्या है कोई बताएंगे यह जमीन बहुत पहले से बना है पता नहीं हम जन्म लिए थे कि नहीं लिए थे 2 दिन प्लेन करने से ऐसा नहीं होता है समर्थन हम करेंगे ही नहीं क्योंकि हम इसके विरोध में हैं और मैं नहीं चाहती हूं और यहां खदान ना खुले यहां का किसी भी क्षेत्र में मैनपाट में खदान नहीं खोलना चाहिए यहां के मूल निवासी कौन है केवल आदिवासी यहां आदिवासियों के लिए क्या बना है यहां जाति प्रमाण पत्र भी सत्यापित नहीं हुआ है और रोजगार की बात करते हैं जब आगे पढ़ेंगे ही नहीं तो कहां से विकास होगा इसका जिम्मेदार कौन है बताइए बाहर के लोग है कि यहां के लोग हैं जब उधर वाले आदेश देते ही नहीं है तो इधर वाले क्या करेंगे कितना दिन दौड़ेंगे और यहां वाले उतना सक्षम नहीं है की हर कुछ कर सके एक दिन जाएंगे दो दिन जाएंगे तीन दिन जाएंगे चलते–चलते सही एडी घिस जाता है और यहां माझी लोग का ऐसा बहुत सारा जमीन है खुद मेरे घर का भी है जो आधा चढ़ा ही नहीं क्या किए थे मेरे घरवाले उनके आधा जमीन का पता ही नहीं है की पटवारी का काम है कि तहसीलदार का काम है कि वहां के निवासी लोगों का काम है उसको छुड़वाने के लिए कितना पीछे–पीछे दौड़ना पड़ता है कई बार दौड़ चुकी हूं होता ही नहीं है बोलते हैं दूसरा दिन आना वहां से बाहर निकलवा लो जब वहां पट्टा सामने लेकर जाते हैं तो उसको देखकर भी कुछ चढ़ाने का हिम्मत नहीं करता है यह निकलवाओ तो वह करवाओ अब पुराना कुछ दिल कर दिखाएंगे तो यह मानेंगे ही नहीं यह करवा के लो या कोई बात है क्या चढ़ावाने के लिए यह सब लगता है और बॉक्साइट खदान वाले को तो कुछ नहीं लगता है पैसा फेक और तमाशा देखो करना है तो सब कर कीजिए ऐसा थोड़ी ना होता है माझी लोग तो यहां के मूल निवासी हैं लेकिन आज तक

			इनका भविष्य का या जो 2 दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात पर मतलब पूरा अपना काम निपटाकर चल जाएंगे यहां के लोग क्या करेंगे रहना तो इनको है ना जीवन भर यही जन्म लिए ही यहीं पर मारना है सभी को और लोग क्या है 2 दिन यहां 4 दिन वहां मैं यही कहना चाहती हूं कि यहां बॉक्साइट खदान ना खुले सबसे अनुरोध है सहमत ना होना सबको इसका विरोध करना।
12	श्री दीपक	बरिमा	सर मैं यही बोलना चाहूंगा कि गणेश यादव बोल रहे थे कि यहां रोजगार नहीं मिलता है तो रोजगार कह नहीं मिलेगा रोजगार मिलेगा यहां रोजगार की बात करेंगे तभी तो रोजगार मिलेगा बकरी पालन हो गया उसमें स्वरोजगार मिलेगा मुर्गी पालन करेंगे उसमें से रोजगार मिलेगा मत्स्य पालन करेंगे उसमें से रोजगार मिलेगा सूअर फार्म से भी रोजगार मिलेगा और ग्राम सभा में अपना ग्राम के अंदर सरपंच पंच को अपने विकास करने के लिए योजना है शासन से नियम से जो रोजगार उसको लागू करते गांव में रोजगार देंगे ऐसे रोजगार मिलेगा गांव के युवा रोजगार मिलेगा तो उन लोग बाहर क्यों जाएंगे बहुत सारे रोजगार हैं यहां रोजगार की बात कर रहे थे तो और दूसरी बात है खदान की अडानी अंबानी ऐसा आदमी है जहां आदिवासी क्षेत्र है उसे क्षेत्र को ऐसा बोलता है ₹1 नहीं ₹2 नहीं ₹3 नहीं ₹4 में कर दो लेकिन कर दो कितना भी पैसा लगे लेकिन फेको और वहां का जल जमीन जंगल ले लो, वहां का जमीन खरीदना है तो खरीदना है और वैसे स्थिति आज हुआ है हमारे आदमी लोग को 10000 के या 20000 के 50000 देकर कुछ ऐसे की लालच देकर आदमी को भड़काएं हैं और यहां समर्थन के लिए लाए हैं गलत प्रस्ताव पारित करके यहां यहां पर जनसुनवाई आज किए हैं मैं जिस गांव में रहता हूं पिछले साल जमीन फंसा था मेरे दादा का उसमें से तीन लाख मिला था 3 लाख में तीनों भाई एक ₹100000 बांट लिए खत्म खेल दो दिन में जमीन का जमीन भी गया पैसा का पैसा भी गया जमीन जाएगा तो हम लोग घर द्वार कहां से बनाएंगे जमीन रहेगा तब तो घर द्वार बनाएंगे

			रोजी–रोटी काम आएंगे खाएंगे जमीन ही नहीं रहेगा तो कहां से घर बनाएंगे जमीन रहेगा तभी तो हम खेती किसानी करेंगे जीवन यापन करेंगे कि पैसा को खाएंगे पैसा तो कमा लेंगे हम कहीं भी जाकर प्रदेश में भी जाकर हम पैसा कमा लेंगे लेकिन अनाज कहां से लाएंगे अनाज देखेंगे आप लोग तो ₹40 किलो है क्या हम लोग 200 काम के अपना परिवार पाल सकते हैं क्या ₹40 किलो खरीद के 2 किलो कर देंगे तो ₹100 मान कर चलिए सब्जी ₹100 किलो है एक दिन में सीतापुर गया था सब्जी लेने ₹100 किलो बोल दिया मैं तो अकबगा गया मैं सब्जी खाया ही नहीं घर जाकर सुखी भात खा लिया मैं तो ऐसा स्थित है पैसा को नहीं खाएंगे हम लोग हमारा जल जंगल जमीन हमको चाहिए हमको खदान नहीं चाहिए रोजगार हम लोग करेंगे हम लोग मुर्गी पालन करेंगे बकरी पालन सूअर फार्म में सब में रोजगार मिलेगा और खेती–बाड़ी रहेगा उसमें से हम लोग कामाएंगे जो भी अनाज कमाएंगे जो भी फसल कामाएंगे जो भी साथ सब्जी बचेंगे उसमें से हम लोग रोजगार कमा लेंगे मैं ज्यादा नहीं बोलेगा हम लोगों को खदान नहीं चाहिए।
13	श्री दयाशंकर यादव	नर्मदापुर	मैं दयाशंकर यादव नर्मदा पुर खदान खोलने का समर्थन करता हूं।
14	श्री राजेन्द्र यादव	नर्मदापुर	मैं खदान खोलने का समर्थन करता हूं खदान खुलेगा तो सब कुछ रोजगार मिलेगा बेरोजगार सब यहां घूम रहे हैं कुछ नहीं है फालतू बकवास कर रहे हैं दूसरे के बहकावे में आकर खदान खुलना चाहिए।
15	श्री मुन्ना डोरा मांझी समाज का ब्लाक अध्यक्ष	केसरा कुदारीडीह	ब्लॉक अध्यक्ष होने के नाते जो यहां सबसे विशेष पिछड़ी जनजाति हैं हमारा माझी जनजाति इनका जाति प्रमाण पत्र नहीं है उनका सेटलमेंट में त्रुटि है अगर उनका पूरा का पूरा जमीन ही खुद जाएगा और रिकॉर्ड में उनका नाम ही नहीं रहेगा तो उनका जाती कहां से बनेगा साथ ही साथ में केसरा क्षेत्र से निवासरत हूं मेरा खुद का भी जमीन गया है जो की बालको माईन्स द्वारा वापस करने की बात की गई थी लेकिन अभी तक वापस नहीं किया गया और समतल भी नहीं किया गया है वर्तमान में चल

			रहा है सीएमडीसी का माईन जब माईन्स नहीं खुली थी तो हमारे गांव के नव युवक लड़कों को मुंशी के रूप में रखा गया और वर्तमान में भी उनको निकाल कर फेंक दिया गया सब बाहरी आ गए यूपी बिहार झारखंड से आ गए वही माईन्स चला रहे हैं और जब खदान नहीं था ऊपर में ही पानी मिलता था और आजकल जब हम पानी के लिए बोरवेल या बोरिंग जब खुदाई करवाते हैं तब 100 मीटर 200, 300 मीटर 400 से 400 मी अभी वर्तमान में 700 मीटर खुदाई किया गया फिर भी पानी नहीं मिला यह हमारे लिए बहुत चिंता का विषय है हम यहां के निवासी होने के नाते तो हमें जल संरक्षण बहुत जरूरी है इसलिए हमें अपने धरोहर को बनाए रखने के लिए हमें खदान बिल्कुल भी नहीं चाहिए जो कि पहले जो हमारे खदान खुली हुई है वहां पौधा नाम के लिए फोटो के लिए लगाया गया है लेकिन अभी कहीं भी माईन्स में घूमेगा सीएमडीसी का मन जहां–जहां भी चल रहा है एक भी पौधा नहीं बचा है वहां नीलगिरी का पौधा लगाया गया था लेकिन नीलगिरी का जो पौधा है वह पानी को उसके स्रोत को खींच देता है सबसे पहले तो जो हमारी जो पुरानी माईन्स है वहां पौधा लगाकर वहां तैयार करें पौध तैयार करने के बाद जब गांव वाले को लगेगा की माईन्स सही है अच्छा कर रहा है तो वह खुद समर्थन देंगे तो तब तक माईन्स को बंद किया जाए सबसे पहले पुराने माईन्स के जो कारण है उसको सुलझाया जाए साथ ही साथ क्या है कि हमारे बाल को माईन्स जो चला है वहां शासकीय के जमीन को भी खोदा गया है वहां के लोगों को पता ही नहीं है कि कौन से रिकॉर्ड में किसका जमीन है उनका रिकॉर्ड में अभी भी है उनको मुआवजा भी नहीं दिया गया है तो भी उनका जमीन खोदा गया है बॉक्साइट निकाल के गढ्ढा पड़ा हुआ है इसलिए माझी समाज की ओर से अध्यक्ष होने के नाते मैं कण्डराजा नर्मदापुर बारिमा और यहां समस्त मैनपाट वीडियो की ओर से किया सलाह देता हूं कि आप माईन्स के चक्कर में पैसे की लालच में जो हमारे मन है उसको खुद कर दोहन ना करें पैसा कमाने का बहुत सा जरिया है पर्यटन स्थल रहेगा तो आप

			घर बैठे भी पैसा कमा सकते हैं सबके पास पैसा आएगा साथ ही साथ छोटी–छोटी जमीन है आप टेक्नोलॉजी के माध्यम से छोटी–छोटी जगह में बहुत सारी सब्जियां लगा सकते हैं उससे भी आप अपना रोजगार बढ़ा सकते हैं मैं खदान का विरोध करता हूं।
16	श्री प्रकाश	बरिमा	खदान खुलेगा तो रोजगार मिलेगा।
17	श्रीमती शंकुतला राठिया (सरपंच ग्राम पंचायत पेठ)	चुरकी डीह, सरपंच ग्राम पंचायत पेठ	हम यही बोलना चाहते हैं कि हम बॉक्साइट खनन के विरोध में है मैं आदिवासी सरपंच होने के नाते आज इसका विरोध करती हूं और हमेशा इसका विरोध करती रहूंगी और हम लोगों के गांव में ज्यादातर लोग किसान है और यहां का जीवन यापन खेती किसानी से ही चलता है तो हम लोग तो नहीं चाहेंगे कि यहां बॉक्साइट खनन हो हम लोग खेती किसानी में ही खुश हैं हम लोग नमक भात खा लेंगे लेकिन यहां बॉक्साइट खनन होने नहीं देंगे और आदिवासी सभी नागरिकों को यही बोलना चाहूंगी अपना जल जंगल जमीन बचाओ और यहां आदिवासी होने के नाते बॉक्साइट खनन मत होने दो पैसे के भूख में मत मारो।
18	श्री मनोज यादव	कण्डराजा	मैं खदान खुलने का समर्थन करता हूं।
19	श्री सनात यादव	कण्डराजा	खदान खुलना कण्डराजा में मना किया जा रहा है क्यों क्योंकि वहां हाथी रोकने का जगह है कलेक्टर ने गोद लिया है कि उसमें हम लोगों का पूरा फसल नुकसान हो जा रहा है और हाथी रुकने का जगह ही नहीं है ब्लास्टिंग बजेगा तो बस्ती साफ हो जाएगी इसलिए मना किया जा रहा है।
20	श्री सुरेश यादव	नर्मदापुर	मेरे कण्डराजा में खदान खोलने चाहिए और सभी छोटे बड़े को रोजगार मिलना चाहिए।
21	श्री नागेश्वर यादव (पूर्व वार्ड पंच)	नर्मदापुर	नर्मदापुर केसरा पथरई का जमीन है हम लोगों के पास, प्रमाण दे रहे हैं, खदान खुलना चाहिए।
22	श्री लाल जीवन यादव	नर्मदापुर	खदान खुलना चाहिए और सभी समाज को देखते हुए को रोजगार मिलना चाहिए।
23	श्री फुलचंद यादव	बरिमा	मैं खदान का खुलकर विरोध करता हूं क्योंकि आने वाला जेनरेशन जो है वह पैसा थोड़ी ना खाएगा वह अनाज ही खायेगा उसके लिए जरूरी है जमीन जमीन रहेगा तब तो अनाज उगाएगा जो बुजुर्ग लोग हैं उनका कहना है की खदान खोलने चाहिए

			उनका जो उम्र है 10 15 20 साल उसके बाद तो उनका हो जाएगा उन लोगों का सोच बहुत और चीज है उन लोगों को पैसा का लालच है पैसा तो अगर टूरिस्ट भी बढ़ेगा तो पैसा मिल जाएगा टूरिस्ट बढ़ेंगे तो पैसा अपने आप आएगा कोई ना कोई कुछ ना कुछ रोजगार करेगा खदान खुलेगा तो बॉक्साइट के माध्यम से यहां का जमीन को खोखला कर दिया जाएगा यहां पर सिर्फ और सिर्फ नीलगिरी का पेड़ लगाते हैं आर के सिया का यह दोनों पेड़ पानी को बहुत अधिक सोचते हैं और पानी का स्रोत मैनपाट में बहुत गिर रहा है बहुत नीचे स्तर पर चला गया है मैनपाट में पहले 40–45 फीट में पानी मिलता था अभी 200 प्लस है हमारे बारे में बॉक्साइट माइन्स है अभी वहां एक घास भी नहीं उठाता है उसमें पहले हम गाय बैल चलाते थे उसमें अभी देखा जाए तो एक घास तक नहीं उगता है तो घास उग रहा है वह स्वयं मर जा रहा है जहां घास नहीं रख सकता है उसमें लहलहाती फसल और ताऊ की फसल कैसे उगेगा आलू है वह कैसे उगेगा बताइए कण्डराजा में घना जंगल है और बांस का प्लांट है उसको को दिया जाएगा तो उसको फिर से प्लांटेशन करेंगे तो उसको 15–20 साल लगेगा और कह रहे हैं कि कौन देगा रोजगार अगर ब्लास्टिंग कर देंगे तो उल्टा पानी का पानी सूख जाएगा जो की उल्टा पानी भारत में क्या दुनिया में प्रसिद्ध है मैनपाट में उल्टा पानी है जब पानी सूख जाएगा तो उल्टा पानी बहेगा कैसे बताइए उल्टा पानी कैसा रहेगा बताइए बताइए कह नहीं बता रहे हैं जब पानी ही नहीं रहेगा तो उल्टा पानी बढ़ेगा कैसे और इधर देख लीजिए टाइगर पॉइंट जो की कण्डराजा साइड से ही आता है ब्लास्ट कर करके ब्लास्ट कर करके उसका जो उद्गम स्त्रोत आता है उसी को समाप्त कर देंगे तो टाइगर पॉइंट का झरना तो क्या को देखने जाएंगे मैनपाट का सौंदर्य करण के बारे में बता रहे थे क्या एक पेड़ भी लगाए हैं कोई लगाए हैं तो बताओ अगर मैनपाट में इधर स्टेडियम ग्राउंड के जस्ट पीछे माईन्स खोलने जा रहे हैं अगर खदान खुल गया तो झरना पार्क कोई काम का नहीं रहेगा देश–विदेश से आ रहे हैं

			अलग–अलग जगह से आ रहे हैं जो लोग मैनपाट को देखने तो क्या खदान देखने आएंगे क्या धूल देखने आएंगे क्या और हमारे मैनपाट में सीजन में में फसल है टाऊ का फसल बंजर भूमि में टाऊ उगेगा क्या छत्तीसगढ़ का शिमला कहे जाने वाला मैनपाट सौंदर्य करण के दिशा में ले जाना है तो क्या बॉक्साइट माइन खोलना जरूरी है क्या बड़े–बड़े कंपनी क्या ला रहे हैं मैनपाट में खदान बरीमा में बहुत–बहुत बड़ा–बड़ा गड्ढा है खदान का जाएंगे तो जरूर देख लेना बड़ा–बड़ा खदान का गड्ढा है यह जो टेंट लगा है इससे भी बड़ा–बड़ा और है उसमें पानी भी नहीं रहता है पहले उसमें पानी रहता था ऊपर अभी नहीं है और नीलगिरी का पेड़ लगा दिए हैं उसमें छाया आता है क्या उसके जस्ट पीछे सराई का पेड़ है देखिएगा उतना घना भी नहीं है लेकिन आराम से सुकून से बैठ सकते हैं खदान को बढ़ावा क्यों दे रहे हैं आप खदान खुलेगा तो कितना दिन के लिए रोजगार मिलेगा जब तक मैनपाट को खोखला ना कर दिया जाए उतना ही तक रोजगार मिल जाएगा उसके बाद नहीं मिलेगा क्या आप लोग अभी तक एक स्कूल खुले हैं खदान नहीं खुलना चाहिए क्योंकि आज तक खदान हमारे ही गांव में जितने जितने लोगों को 8–10 लाख पैसा मिला था तो वह एक दो साल में खत्म क्लियर एक दो साल में क्लियर एक गाड़ी खरीदे खत्म गाड़ी कितना साल 5 साल 5 लाख खतम, वह लोग अभी खाली पर चल रहे हैं अगर उनका जमीन रहता तो कमा कर खाता और आने वाले पीढ़ी के लिए कुछ भी नहीं छोड़ते कम से कम जमीन तो छोड़ कर जाते अगर आप एक बार जमीन खदान को दे दिए तो वापस वैसे ही स्थिति में नहीं दे सकता तो मैं इतना ही बोलना चाहूंगा।
24	श्री माखन यादव	कण्डराजा	मैं खदान खुलने में सहमति देता हूं।
25	श्रीमती सोमरी	मढवा सरई	मैं यह कहना चाहती हूं कि हमारे पहाड़ी कोरबा के लिए एक भी काम नहीं मिलता है हमारे लड़के लोग बाहर कमाने जाते हैं और उनके परिवार में कोई देखने वाला नहीं होता है किसी का लड़का मर जाता है किसी का मां–बाप मर जाता है कोई बाहर कमाने जाता है तो लड़के लोग बीमार हो जाते हैं

			कोई परिवार को देखभाल करने वाला नहीं है बहुत समस्या होता है अभी गांव–गांव में रोड रोड में काम खुला है लेकिन हम लोगों को नहीं मिलता है हम पहाड़ी कोरबा वाले को कोई काम देने वाला नहीं है तो हम लोग क्या करके खाएंगे उसी के लिए हम लोग मांग करने के लिए आए हैं अगर सरकार को कान में सुनाई देगा तो हम लोगों को आवश्यक काम देंगे हमारे गांव में कुछ काम नहीं मिल रहा है हमारे पहाड़ी कोरबा लोग को इतना बेवकूफ बना दिए हैं कि हम लोगों को कुछ भी काम नहीं देते हैं रोड में खाली गाड़ी से ही काम करवा रहे हैं हम लोगों कुछ–कुछ काम करने के लिए मिल ही नहीं रहा है तो हम लोग क्या करके खाएंगे और हम लोगों के लड़के लोग दूर–दूर जाकर काम कर रहे हैं देश प्रदेश चल जा रहे हैं और उनके लड़के बच्चे यदि कोई मर जा रहा है यदि कोई घर वाले बीमार पड़ जा रहे हैं तो और किसी के मन–आप लोग मर जा ैपह हैं तो उनका लाश तक नहीं पहुंच पा रहा है गरीब आदमी कहां से पैसा रूपया पाएंगे कि अपना लाश को अपने घर में लौट कर लेकर आएंगे अब सरकार बताएं कि हम लोगों को कम मिलेगा कि नहीं मिलेगा काम हम लोग को जरूर चाहिए यही मैं कहना चाहती हूं जिसको जिसको मिला है उसको सही–सही मिला है और जिसको नहीं मिला हैं उसको कुछ नहीं मिला है बहुत लोगों का घर अधूरा है किसी का पूरा नहीं हुआ है उसके लिए भी हम लोग को दुख लग रहा है उसको भी तो सरकार को देखना चाहिए और हेलो के पास भी जो जमीन जगह है वह भी सब अधूरा है किसी का पत्ता नहीं बना है तो हम लोग काम के क्या कहेंगे खाली बोल रहे हैं जंगल जमीन जंगल जमीन कहां से हैं लोग पत्ता जमीन का पाएंगे कहां से कम कर खाएंगे यही हम लोगों का दुख है इसको सरकार जरूर कोशिश करें और हम लोग को उपाय बताएं यही मेरा मांग है।
26	श्री रविन्द्र यादव	नर्मदापुर	मैं खदान खुलने का समर्थन करता हूं।
27	श्रीमती सपनो बाई राठिया	पेठ	मैं बॉक्साइट खदान का विरोध करती हूं और हमेशा करती रहूंगी मैं बॉक्साइट खदान नहीं चाहती हूं ।

28	श्रीमती कलावती राठिया	पेठ	हम लोग खेती–बड़ी करने वाला आदमी है हम लोगों को खेती–बाड़ी चाहिए खदान नहीं चाहिए।
29	श्री शंकुतला राठिया (पंच) शांति, सुशीला, त्रिमनिया, अमृता, धुरई, कविता, प्रत्याशो, संतोशी, निशा, देवन्ती, जयशीला	पेठ	मेरे ग्राम पंचायत पेठ के समस्त ग्रामवासी बॉक्साइट खनन का सख्त विरोध करते हैं और यह सभी मेरे जनता लोग हैं मैं शकुंतला राठिया शांति राठिया वार्ड पंच बिरमनिया सुशीला राठिया शांति राठिया अमेरिका राठिया सुशीला राठिया गोरी राठिया कविता राठिया प्रत्यसो संतोषी निशा जय शीला देवंती सभी विरोध करते हैं।
30	श्री अमरजीत भगत (पूर्व खाद्य मंत्री, छ.ग.शासन)	सीतापुर	मैनपाट में पर्यटन स्थल में आप सभी लोगों का स्वागत है यहां पर आज पर्यावरण की सुनवाई के लिए शासन के तरफ से प्रशासन की तरफ से और कंपनी के तरफ से सभी लोगों को बुलाया गया है यहां दो तरह के विचारधारा देखने को सभी को मिल रही है अधिकतर लोग खदान का विरोध कर रहे हैं और कुछ लोग समर्थन में हैं कुछ लोग रोजगार उपलब्ध कराने की बात कर रहे हैं कुछ लोग बोल रहे हैं यहां का संसाधन समाप्त हो रहा है मेरा भी जो अनुभव है कि जब यहां पर मेरे को चार पांच वर्षीय यहां का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला उसे समय जब शुरू में आए थे तो देखे थे यहां पर ना तो सड़के थी ना मूलभूत यहां पर सुविधा था मैनपाट आना अपने आप में एक चुनौती था और जब मैनपाट को हम लोग पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का विडा उठाया तो सरकारी विभाग से और सभी विभागों ने इनका मदद किया यहां विकास तेजी से बढ़ने लगा यहां सड़के अच्छे बनने लगी यहां होटल होटल सभी बनने लगी तो आज देखेंगे कि लोगों का यहां टाटा लगे रहता है यहां पर हम लोगों ने कार्निवल शुरू करवाया था कार्निवल के नाम से भी यहां पर्यटन बढ़ा बाहर से लोगों का आकर्षण मैनपाट आने के लिए बढ़ा और लोग यहां तेजी से आने लगे लेकिन जब से हमने देखा है की माइनिंग शुरू हुआ है बाल्को कंपनी पहले यहां मीनिंग करती थी उनके साथ जो अनुभव था बहुत अच्छा नहीं था सड़क को खराब कर देना धूल मिट्टी खाली इन लोगों को परोसना जंगल कट गया और पर्यावरण के नाम पर हम केवल प्लांटेशन करेंगे पौधारोपण करेंगे आधा अधूरा किया इसके

			बाद बंद कर दिए आपने अपना राजस्व बढ़ाने के लिए तो खूब काम किया शासन ने प्रशासन ने कंपनी ने लेकिन आपकी जो नैतिक जवाबदारी है उसका निर्वहन नहीं किया आप ना सड़के बनाई नया अपने स्कूल बनवाया ना हॉस्पिटल बनवाया ना ही यहां के जो लोग हैं उनका जीवन स्तर उठाने में प्रयास किया तो यह जो अविश्वास की स्थिति है इसलिए जंगल बड़े पैमाने पर कटे हैं आपने कहीं भी वृक्षारोपण नहीं कराया आज हाथी का समस्या यहां विकराल रूप लिया हुआ है आए दिन जो यहां हाथी जो है राह वास क्षेत्र में घुस जाते हैं हाथी का जो एरिया है उसमें भी कमी आ रहा है किसी का फसल नुकसान कर रहा है किसी का घर तोड़ रहा है किसी का जान माल का नुकसान कर रहा है वन विभाग सरकार और प्रशासन उसे विषय में उनके सहूलियत के लिए क्या कर रहा है मात्र खानापूर्ति जितना उनका फसल नुकसान होता है मुआवजा देते हैं वह पर्याप्त नहीं है मकान अगर किसी का तोड़ रहा है तो मुआवजा जो मिलता है उतना में मकान बन नहीं सकता जान माल का जो नुकसान है जो मुआवजा है वह पर्याप्त नहीं है हमने कहा था की जिसका फसल नुकसान हो उसका डबल मुआवजा मिलना चाहिए इसका मकान टूटे कम से कम उसका तीन–चार कमरे का मकान बन सके जिसे जान जाए उसका काम से कम 25 लाख रुपया सरकार की तरफ से दिया जाए यह लोगों को उनके साथ लड़ने का एक हौसला देगा हिम्मत देगा जिस प्रकार हाथी और मानव के बीच द्वंद्व है यह समाप्त होने वाला नहीं है आपका जहां–जहां मीनिंग हो रहा है इनके रहवासी क्षेत्र में कमी आ रहा है और बस्ती में हाथी घुस रहे हैं बड़े पैमाने पर नुकसान कर रहा है वहीं पर आप देख लीजिएगा कि जहां–जहां पर माइनिंग हो रहा है मैं पिछला अनुभव बता रहा हूं आप बोलेंगे कि मैं यह करूंगा वह करूंगा बहुत सारी बातें बोलेंगे वह गर्व की बात है क्या करेंगे क्या निकलेगा लेकिन पिछला जो अनुभव रहा की यहां पर सड़के के खराब कर दिए हैं यहां पर अपने जंगल की हरियाली समाप्त कर दी है बड़े पैमाने पर लोगों को आपने यह भी कहा

			की आपको हम रोजगार उपलब्ध कराएंगे गाड़ी खरीद लो कई लोग यादव भाई लोग और यहां मैनपाट के रहने वाले दूसरे दूसरे समाज के लोगों ने भी गाड़ी खरीद लिया गाड़ी बिक गया कर्ज में डूब गए गाड़ी खींचा गया सही बात है कि नहीं तो आप लोगों को आप गलत मत दीजिए ना लोगों को अंधेरे में मत रखिए ना जो कर सकते हैं वही करिए आप स्वास्थ्य के लिए एक भी ना हॉस्पिटल ना डिस्पेंसरी स्कूल के लिए कोई अपने अच्छा प्रयास नहीं किया आप कहीं पर भी यहां पर रहने वाले लोगों के लिए शिक्षा के ऊपर स्तर ऊपर उठे इसके लिए कुछ काम नहीं किया अविश्वास का कारण यही है और हम लोगों ने बड़े पैमाने पर केंद्रीय अधिनियम 2006 के तहत 31 दिसंबर 2005 तक जो लोग काबिज थे उनकी जमीनों पर उनको हमने पट्टा दिलाया और मेरे ख्याल से मैनपाट क्षेत्र में अगर नहीं भी मिला होगा तो लगभग 80000 लोगों को पट्टा मिला जो लोग थे वह क्या प्रसारित किया कि जाली पट्टा बन रहा है गलत पट्टा बन रहा है यहां के लोग जली हो गए जो खेती–बाड़ी कर रहे हैं जिनका खेत बड़ी है मकान बना है वह जाली हो गए हैं जिनको पट्टा मिला और उसको अपने बिना कारण का बिना पर्याप्त सुनवाई के पट्टा को निरस्त कर दिया और आज लोगों का अपने पट्टा निरस्त कर दिया और कंपनी को वह जमीन उपलब्ध करा रहे हैं या डबल स्टैंडर्ड का बात अविश्वसनीय इसलिए है लोगों को कम मिले लेकिन आप अपने बात पर अधिक नहीं है हम यहां पर किसी एक तरफ से बात नहीं करेंगे आधे लोग हैं काम के लिए कम मिले बेरोजगारो को कम मिले हम उसका विरोध नहीं कर रहे हैं लेकिन मैनपाट को विनाश कर कर करेंगे तो ऐसा विकास हम लोगों को नहीं चाहिए इसलिए हम सब लोग क्योंकि आप रोड खराब करके तो चल जाएंगे माइनिंग करके चले जाएंगे फिर मेरे को जिंदाबाद मुर्दाबाद करना पड़ेगा फिर सड़क पर बैठना पड़ेगा फिर चक्का जाम करना पड़ेगा फिर हमारे ऊपर आप लोग कैसे करेंगे फिर हमको न्यायालय का चक्कर लगाना पड़ेगा इसलिए कल जो चीज होगा उसको पहले ही ठीक

			करना चाहते हैं कि जो आप कमिटमेंट करें लोगों से बिना विश्वास अर्जित किया आप खदान नहीं खोल सकते जिन हाथी प्रभावित क्षेत्र के लिए हमने जिला प्रशासन के साथ मिलकर के उसे समय वन विभाग जिला प्रशासन अन्य योजनाओं को मेनू प्लेट करके यहां पर कानून बनाया है जहां पर हमारे माझी भाई वहां पर रहते हैं सबसे ज्यादा आप वहां मीनिंग कर देंगे फिर उसको तोड़ देंगे तो आप लोगों के लिए आज अगर तोड़ रहे हैं तो उनके बसावट के लिए क्या व्यवस्था है क्या प्लानिंग है इन सभी पर्याप्त जो कारण है का स्पष्ट कमिटमेंट होना चाहिए स्पष्ट उसका उल्लेख होना चाहिए और लोगों का विश्वास होना चाहिए तभी संभव है अन्यथा संभव नहीं है और जो लोग अभी तक पिछली कंपनी में काम करी है उसका अनुभव नहीं रहा इसलिए हम भी खिलाफ में हैं और जब तक लोगों का विश्वास अर्जित ना हो यहां पर माइनिंग ना किया जाए धन्यवाद।
31	श्री भिन्नसरिया राम मांझी (पूर्व जनपद उपाध्यक्ष)	मांझीपारा	मैं आदिवासी हूं भारत का सरकार हूं और मैं शेर हूं किसी से डरता नहीं हूं सामने सामने बात करता हूं माननीय महोदय आपको शुरू में ही बोल दिया गया था कि जब तक पूरे जानकारी नहीं देंगे जनसुनवाई नहीं होगा हमारे राजेश गुप्ता ने उसके बारे में जानकारी चाहिए लेकिन आप लोगों द्वारा नहीं दिया गया फिर भी आप जनसुनवाई कर रहे हैं बहुत अच्छी बात है मैं यह देखना चाहता हूं कि हमारे छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट जो मिला शिमला कहा जाता है जो आज जो आदिवासियों का पैदाइशी है उनका उत्पत्ति हुआ है और यही सामने स्थान गए हैं आप खदान की बात रही खदान मैं जब से हो संभाल हूं यहां खदान चल रहा है ना तो आदिवासी भाई लोग को ना तो माझी भाई लोगों को कोई या गरीब तबके के लोगों को कोई कोई मुनाफा या कोई फायदा नहीं हुआ है यहां जगह–जगह पर गड्ढा जगह–जगह पर जमीन का दोहन उबड़ खाबड सड़क नदी नाले सुख जा रहे हैं सभी जगह पर अभी पानी डेढ़ सौ फीट पहुंच गया है पहले यहां जितने भी बिल्डिंग बनी हुई थी जब मैं जनपद उपाध्यक्ष था जब ब्लास्टिंग होती थी तो तुम्हें बोलना था कि यह सर आप लोगों का आवाज धीरे

			करिए मेरा कुर्सी हिल रहा है लेकिन आप उन लोगों को कुछ सुझाव कुछ समझ में नहीं आया इतना जोर से ब्लास्टिंग होता था कि मेरा घर भी आज तक क्रैक हो गया है चार–पांच साल का हुआ घर है क्रेक हो गया है ऐसे बहुत से लोग प्रभावित हुए हैं और जो रही पर्यटन की बात या जो छत्तीसगढ़ का शिमला है पर्यटन घोषित करेंगे या दोनों एक साथ संभव नहीं है बहुत दिनों से यहां खदान चलते आ रहा है और पर्यटन का बढ़ावा मिल रहा है यह देश–विदेश तक इसका नाम पहुंच गया है हम लोगों का जहां प्रभावित है ग्राम कण्ड राजा जो 5 पंचायत में प्रभावित है जहां 5 पंचायत को अधिक ग्रहण किया जा रहा है पांचो पंचायत में पहले नर्मदा पुर में हुआ बरीमा हुआ कुदारी दी हुआ नर्मदा पुर में भी हुआ अब बच गया है कण्डराजा जहां पर आदिवासियों का पहचान है आदिवासियों का जल जंगल जमीन का प्रकृति का पूजा करें वहां से दातुन मुखड़ी और साल के पत्ते पूजा पाठ शुरुआत करते हैं और जहां पर हरा भरा साल के वृक्ष हैं जहां आदिवासियों का पुटु खुखरी करील कांदा है वहां तो तहस नहस हो जाएगा यदि आप लोग इसका विरोध नहीं करेंगे जितने भी समाज के लोग हैं यदि अपना संस्कृति धरोहर बचाना चाहते हैं तो आप विरोध जरूर करें क्योंकि मैं भी विरोध कर रहा हूं और देखा जाए जब हाथी जब आती है तो वह ग्राम कण्डराजा के बाहर कॉरिडोर क्षेत्र है बांस प्लांट खाकर, पेड़ पत्ता ही खाकर उधर ही भटक जाता है यदि खदान खुला तो हमारे गांव में प्रवेश कर जाएंगे और हमारे जनजीवन को बहुत प्रभावित करेगा और जब रितु सेन कलेक्टर थी तब वहां जितने भी हाथी प्रभावित क्षेत्र का घर तहस–नस हो गया था तब उसे एक जगह आवास बनाने के लिए ग्राम कण्डराजा का जगह चुने ने वहां कलेक्टर डीएफओ मैं भी साथ में था बड़ी मशक्कत के बाद वहां योजना बना और उसको वहां बनाएं और अपने आदिवासी भाइयों को आने वाले वर्ग के लोगों को वहां निवासरत कराए हैं और अभी शासन प्रशासन से बड़े उद्योगपति से मिलकर उसे रितु सेन कलेक्टर का जो उनका मंशा यदि था उनका जो

			चाहत था अभी के जो वर्तमान के अधिकारी हैं वह शासन प्रशासन उसको तहस—नहस कर रहे हैं यह कांत राजा जो हमारा मैं घोर विरोध करता हूं यदि कण्डराजा जो हमारा प्राकृतिक धरोहर है जहां से पानी का उद्गम स्थल है और वह पूरा तराई क्षेत्र पर सिंचाई होता है वह सब बर्बाद हो जाएगा इसी बात को पहले भी जब मैं केसरा में विरोध हुआ था वहां जनसुनवाई हुआ था वहां भी मैं कहा था अंबिकापुर के तुम लोग भी तो आकर समर्थन दो आज यहां बाहरी लोग आकर समर्थन कर रहे हैं और जितने लोग समर्थन कर रहे हैं सब दरूहा मतवार लोग हैं जिनको एक बोतल चाहिए और समर्थन करने के लिए तैयार हैं जब मांझी लोग दारू में भूल गए तब से दूसरे लोग दारु पीना चालू किए हैं तब से ऐसा होता है मैं यही कहना चाहता हूं हमारा जो हक की लड़ाई है सभी को साथ देना है और जल जंगल जमीन को रक्षा करना है मैं खदान का पूर्व जोर विरोध करना चाहता हूं चाहे इसके लिए मेरे को जेल जाना पड़े चाहे मेरे को मार दे या कुछ भी कर दे मैं इसका विरोध करता हूं।
32	श्री महकुल	पटेलपारा	हमारे यहां पानी का साधन नहीं है हमरा माई बाप मर गया हम लोगों का जमीन नहीं है हमारे पास तो कुछ जमीन है ही नहीं तो जिसका फस रहा है वह दे सकता है हम लोगों का नहीं है।
33	श्री संतोश साहु (वकील)	पथरई	आज दिनांक 30/11/2025 ग्राम नर्मदापुर तहसील थाना मैनपाट जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ में पर्यावरण को लेकर लोक सुनवाई के कार्यक्रम में प्रशासनिक पदाधिकारी यहां छत्तीसगढ़ सरकार के प्रतिनिधि छत्तीसगढ़ सरकार के कार्यपालिका के सभी वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारी गण लोकतंत्र के सबसे मजबूत आधार सभी भाई जो बड़ी संख्या में यहां के समस्त कार्यों का अवलोकन कर देश दुनिया में यहां के कार्यवाही को प्रसारण कर रहे हैं इस लोग सुनवाई में बड़ी संख्या छत्तीसगढ़ एवं केंद्रीय पुलिस बल की बड़ी संख्या में उपस्थित पुलिस प्रशासनिक अधिकारी यहां उपस्थित मैनपाट ऊपरी क्षेत्र सीतापुर क्षेत्र की बड़ी संख्या में आए मतदाता भाइयों बहनों मैं संतोष साहू मैनपाट जो पूरब से पश्चिम है सड़क मार्ग से जाएंगे तो 55 किलोमीटर एक लंबा एरिया है

			बेगवाहा से लेकर परपटिया तक इधर आमगांव से लेकर केसरा के तटीय क्षेत्र तक मैनपाट क्षेत्र में विगत 35 वर्षों से बड़ी मात्रा में खनिज बॉक्साइट खनिज का दोहन हुआ है चाहे वह कुदारी डी का पूरा एरिया आप देखें नया कुदारी दी देखें केसरा को देखिए पुराना केसरा को देखिए सपना दर को देखिए बरीमा को देखिए नर्मदा पुर को देखिए जितना बड़ा भूभाग है जितनी बड़ी यहां संख्या है यहां पशुधन है यहां कई नदियों का उद्गम स्रोत है घुनघुट्टा आपके सामने नदी आपके सामने है मैं परम पूज्य बालक राम जी को याद करना चाहता हूं वह जीवन भर कहते रहे मीनिंग के कारण भूजल सूख रहा है आप आज हालत देखी क्या हो रहा है अनुपातमैनपाट क्षेत्र में जितने जितना ज्यादा एक संतुलन को बनाकर माइनिंग हो सकता था उससे कहीं आगे यहां का बॉक्साइट खनन का दोहन हो चुका है मैनपाट क्षेत्र में बड़ी संख्या में अनुसूचित जनजाति के लोग निवास करते हैं अनुसूचित जनजातियों के 42 जनजातियों की सूची में जिन जातियों का उसमें मांझी जनजाति सबसे बड़ी संख्या में यही रहते हैं यही पठार में वास करते हैं कुल संख्या का 80: यही निवास करते हैं उनका हालत आप लोग देख लीजिए 35 साल के माइनिंग में यहां पढ़े लिखे यहां बहुत ही अच्छे पढ़े लिखे एजुकेटेड वर्ग यादव समाज के लड़के हैं अगर बढ़िया स्कूल होता उनको आगे बढ़ाने की मंशा होती तो आज बड़ी संख्या में आउटसोर्सिंग जो है उसकी जगह में हमारे यहां के लड़के होते भारी संख्या में पुलिस बल में होते बैंकों में होते हॉस्पिटलों में होते इसकी क्या व्यवस्था की कंपनी ने यहां बहुत शांतिपूर्वक जनसुनवाई हो रहा है यहां पर हम लोगों का जो पीड़ा है लोगों का विनाश करके ऐसा विकास हम लोगों को नहीं चाहिए आप पूरे मैनपाट के ऊपर पूरे क्षेत्र को देखिए नये वृक्ष लगाया गया जैसा हमारे कुछ अनुभवी भाइयों द्वारा बताया गया आर के सिया है लिप्टिस है यहां दुनिया का सबसे बेस्ट कीमती लकड़ी राज्य का जो वृक्ष है वह साल का वृक्ष है सराई का वृक्ष है उसकी हालत आप देखिए ऊपर तो बहुत कम वृक्ष बच गए जो नेचुरल था प्रकृति

			प्रदत्त जो वृक्ष था बहुत कम बज गए आप जो तराई क्षेत्र में है क्या उसका भी विनाश होगा मैं इस मौके पर या कहना चाहता हूं की जमीन के नीचे जो धातु है जमीन के नीचे जो खनिज है वह हमारे महान पुरखों का बचाया हुआ धन है इसके ऊपर ही इतनी बड़ी संभावनाएं हैं यहां पर बहुत बड़े–बड़े फलदर वृक्ष के बगीचे लगाए जा सकते थे सतालू बहुत अच्छे किस्म का यहां पर हो सकता है आप जाकर कमलेश्वरपुर उद्यान में देख सकते हैं यहां बहुत अच्छे तरीके से चाय का खेती हो सकता है कॉफी का हो सकता है यहां पर दूध उद्योग स्थापित हो सकता है अगर अमूल गुजरात पर है जहां जहां देश और दुनिया में उसका नाम है तो मैनपाट में क्यों नहीं यहां बड़े संख्या में मवेशी पलक हैं परंपरागत पशुपालक है पिछड़े वर्ग के भाई हैं यहां दूध उद्योग स्थापित करके नए तरीके से लोगों के जीवन को कैसे संवारा जा सकता है महोदय आपके माध्यम से मैं छत्तीसगढ़ सरकार को भारत सरकार को कहना चाहता हूं सरगुजा संभाग पांचवी अनुसूची का क्षेत्र है अविभाजित सरगुजा के 19 ब्लॉक में सबसे ज्यादा अनुसूचित जनजाति भाई अगर निवास तो मैनपाट मैनपाट है और या पांचवी अनुसूची का प्रावधान आपको पता है पांचवी अनुसूची आदिवासियों का विशेषाधिकार है संविधान के 72 में संशोधन 74 में संशोधन में या जरूर बातें आएंगे की आदिवासी क्षेत्र का विकास किया जाए कुछ संवैधानिक जो दिक्कतें थीं उसमें संशोधन हो गया है माननीय दिलीप सी भूरिया कमेटी बनी बाद में पैसा एक्ट लागू किया गया गांव–गांव में एन.जी.ओ. और ऐसे सामाजिक संस्था के माध्यम से प्रचार प्रसार कराया गया ना लोकसभा ना राज्यसभा सबसे ऊपर ग्राम सभा और यहां पर जो बातें अभी रखी जा रही हैं की ग्राम सभा का पूरी तरह से अवहेलना किया जा रहा है यह देश संविधान से चल रहा है संविधान से चलेगा यह देश संविधान के कारण ही समस्त कानून है और संवैधानिक व्यवस्था के कारण ही सारी व्यवस्थाएं हैं अगर हम और आप लोग कानून का ही पालन नहीं करेंगे काहे का संविधान बचेगा कैसे लोकतंत्र बचेगा यह मेरा आपसे सवाल है भारत में

			कानून का राज है हर एक आदमी कानून के दायरे में है कानून के दायरे में रहकर उनका काम करना पड़ेगा चाहे हम साधारण नागरिक हो चाहे भारत के राष्ट्रपति हो चाहे माननीय प्रधानमंत्री क्यों ना हो चाहे महामहिम राज्यपाल क्यों ना हो चाहे माननीय मुख्यमंत्री क्यों ना हो सभी लोग इस देश के संविधान के द्वारा बने कानून से शासित है तो मैनपाट भी कानून से ही शासित होगा एक तरफ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बात करते हैं हजारों लाखों रुपए इसके प्रचार में खर्च कर रहे हैं जनता की कमाई इसमें खर्च कर रहे हैं अगर पर्यावरण को बढ़ाना है इसको शिमला कहा जाता है और एक बात हो रहा था कि गर्मी में छत्तीसगढ़ की सरकार सचिवालय और मंत्रालय कुछ दिनों के लिए भविष्य में पार्ट में होगा तो क्या यह पर्यावरण लगातार माइनिंग से बचेगा महोदय मैनपाट दूर–दूर से फैला हुआ एक एक पत्थर है इसकी संपत्ति बहुत ज्यादा हाथ से निकल चुका है जो बचा हुआ आने वाली पीढ़ी के लिए आरक्षित है और आपके माध्यम से मैं पूना छत्तीसगढ़ सरकार से भारत सरकार से और पांचवी अनुसूची के मुखिया महामहिम राज्यपाल महोदय जी से भी निवेदन करना चाहता हूं की पांचवी अनुसूची की एरिया में कंपनी और ऐसे लोगों मनमानी को रोका जाए आपकी नैतिक जिम्मेदारी है आपकी पदीय जिम्मेदारी है संविधान का शपथ लिया है भारत को भारत बनाया गया भारत के तीन हिस्से थे एक हमारे राष्ट्रगान में नाम आता है पंजाब सिंद गुजरात मराठा उत्कल और बंगाल दूसरा हिस्सा राजा महाराजाओं का 565 समस्थानिक राज्य महाराज तीसरा हिस्सा था आदिवासी भाइयों का जंगलों में आदिवासी हजारों सालों से हैं जहां मानवीय जीवन के लिए सुविधा भी नहीं थी ऐसे विकट परिस्थितियों में लड़कर जंगलों अपने वंश को बचाकर इसलिए नहीं रखें कि जब देश दुनिया का विकास होगा तब हमारा विनाश होगा ऐसा उन्होंने कदापि नहीं सोचा था और हमारा छत्तीसगढ़ संवेदनशील हमारे मुख्यमंत्री माननीय राजपाल महोदय ऐसा कदापि कम नहीं उठाएंगे ऐसा मैं आशा करता हूं आपके माध्यम से मैं संदेश देना

			चाहता हूं और मैनपाट को पर्यटन स्थल के माध्यम से बढ़ाया जाए यहां पिछड़े वर्ग के एवं यादव समाज के लोग हैं स्थानीय लोगों को पूंजी दिया जाए उनको होटल बनाने में मदद किया जाए बगीचे लगे और अलग–अलग जो उद्योग पर्यटन को उद्योग का दुनिया में उसे दिशा में सरकार बढ़े स्थानीय लोगों को पूंजी दे यहां पर दूध उत्पादन का फैक्ट्री डाला जाए बड़े–बड़े फलदार वृक्ष के अपार संभावनाएं हैं बगीचा के लिए उसे दिशा में सरकार कम करें और यहां के स्थानीय लोग बड़ी संख्या में बेरोजगार छत्तीसगढ़ सरकार जो आउटसोर्सिंग अन्य राज्यों से कर्मचारी अधिग्रहण उसका प्रभाव निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ और मैनपाट के युवाओं पर पड़ा है उनके भविष्य पर पड़ा है वह सभी चिंतित हैं इन सभी बातों को आप संज्ञान में ले और यह जनसुनवाई को स्थगित किया जाए मैनपाट में जितना माइनिंग अब भविष्य में जमीन के नीचे नहींहोना था हो चुका है अब भविष्य में जमीन के नीचे नहीं जमीन के ऊपर विकास किया जाए और छत्तीसगढ़ सरकार का जो बचत है अब तो 50 लाख करोड़ के ऊपर यहां का बजट पहुंचाने जा रहा है कितना अच्छे से यहां का विकास हो सकता है आप सब लोगों ने मुझे अपनी बात रखने का मौका दिया और पुनः में दौड़ना चाहता हूं मैनपाट का संवर्धन यहां को सहेजना सवारना जमीन के नीचे नहीं जमीन के ऊपरी क्षेत्र में किया जाए और उसको बढ़ावा मिले अभी जब मैं आ रहा हूं मेरा घर भी पथराई में है मैं कई साल मैनपाट में रहा हूं मेरे दादा का बखान था जब 10 पैसा किलो घी था मेरे पूर्वज पैदल जाकर छोटा पहले जो प्रतापगढ़ है खरसिया है उधर जाकर बेचते थे यहां मेरे पुरखों का कहना है आज जो मौसम है ठंड का जब लोग चलते थे तो बार पैसे कांच की तरह टूटते थे यह ज्यादा पुरानी बात नहीं है 70–80 साल पहले यहां का वातावरण था आप सभी लोग इन बातों को गंभीरता से लेंगे मैं अपनी बात को यहीं समाप्त करता हूं बहुत–बहुत धन्यवाद जय भारत जय छत्तीसगढ़ जय सरगुजा जय मैनपाट।

34	श्री मुकेश दास	कण्डराजा	बहुत टाइम से मौका नहीं मिल रहा था अभी मौका मिला है मै यह बोलना चाहता हूं बिजली क्यों मारता है मेरा सवाल है सर बिजली इसलिए मारता है जो पत्थर है ना आने वाला कल क्या होगा अगर खदान खुल जाएगा तो पूरा प्रदूषण हो जाएगा।
35	श्री मुकेश यादव	बरिमा	मैं सबसे पहले जैसे आज मैनपाट में पर्यावरण के बारे में जनसुनवाई है की मैनपाट में खदान खोलने चाहिए या नहीं तो इसके बारे में मैं तो बोलूंगा ही लेकिन पहले या बोलना चाहूंगा की मैनपाट जो है छत्तीसगढ़ का शिमला कहा जाता है इसलिए कहा जाता है कि यहां की जो हरियाली है यहां का जो क्लाइमेट है यहां जो टेंपरेचर जो है माईन्स में है इसके अलावा यहां जो आलू का पैदावार है शिमला जैसा ही होता है इस तरह से मैनपाट की जो भी सुंदरता है टाऊ है फलाहारी है इसके अलावा मैनपाट की जलवायु ऐसी है यहां सभी तरह का फसल जो है हो जाता है तो या जो माइनिंग हो रहा है माइनिंग से सबसे बड़ा नुकसानी तो देखा जाए तो जलवायु को ही है जलवायु के बाद जमीन भी यहां का उपजाऊ है वह खत्म हो जाएगा इसके अलावा जीव जंतु पर भी असर पड़ेगा क्योंकि बॉक्साइट जब भी यहां खनन किया जाता है माइनिंग के समय उसे समय जीव जंतु बहुत ही ज्यादा नुकसान होता है उनको मैं आखिरी में यही कहना चाहूंगा कि मैनपाट की जलवायु को मैनपाट के हरियाली को जल जंगल जमीन जीव जंतु सबको मध्य नजर रखते हुए मैनपाट में खदान खोलने चाहिए उससे कोई नुकसान नहीं है लेकिन जो भी हमारा जो भी नुकसान हो रहा है जलवायु और जनता सबसे पहले देखा जाए तो जलवायु जलवायु अगर प्रदूषण होगा यहां का मौसम खराब हो जाएगा इसके अलावा माइनिंग जो लगातार चलता रहेगा जो टेंपरेचर जो है वह डाउन हो जाएगा और मैनपाट में जो पर्यटन लोग आते हैं और यहां का जो हरियाली है यहां का जो क्लाइमेट देखते हैं वह क्लाइमेट आप देखने को नहीं मिलेगा इसलिए मैं यही बोलूंगा कि अगर जितना खदान जैसे मान लीजिए 100 एकड़ में अगर खदान माइनिंग किया जा रहा है तो 100 एकड़ जमीन में

			हरियाली लगाकर उसकी बराबर इक्वल किया जाए उसके बाद जो मैनपाट का हरियाली और भी बरकरार रहेगा जलवायु भी बरकरार रहेगा और मैनपाट में जो मीनिंग खोलने से जो रोजगार है रोजगार भरपूर मात्रा में दिखेगा लोगों का जो मुआवजा है मुआवजा घटकर नहीं अच्छी मात्रा में दिया जाए ताकि जनता जो है जिसे जमीन जाए उसका भी नुकसान ना हो और उनको जो रोजगार मिल जाए उनसे उनका घर चलता रहेगा और खाली बैठकर जैसे अगर जमीन दे देते हैं अगर उन लोग खाली बैठ जाएंगे तो उनका जो मानसिक दावा होगा वह काम होगा इसी के लिए मैं बोलूंगा कि प्रत्येक जिसका भी अगर जमीन जाता है अगर नहीं भी जाता है तो अधिक से अधिक लोगों को मतलब यहां पर रोजगार दिया जाए और इसके बाद जलवायु को मध्य नजर रखते हुए बॉक्साइट खोला जाए नहीं तो नहीं खोला जाए जनता को लाभ मिलना चाहिए।
36	श्री निर्मल कुजुर जिला पंचायत सदस्य	सरगुजा	आज या जो जनसुनवाई का कार्यक्रम चल रहा है मां कुदरगढ़ी अल्युमिनियम प्लांट खदान जो ग्राम कण्डराजा पेठ, चूरकीपानी, उरंगा, बरीमा क्षेत्र में जो प्रस्तावित है उसके लिए जनसुनवाई रखा गया है अगर इस विषय पर देखा जाए मैनपाट पर्यटन का केंद्र है और पर्यटन के केंद्र के स्थान पर यदि खदान की बात करना हो तो मुझे उचित नहीं लगता दूसरी बात यह है कि हमने बहुत जगह खदानें खुलती देखा हमने बहुत जगह फैक्ट्रियां डालते देखा हमने बहुत सारी जगह देखा इन चीजों को और जब फैक्ट्री डाला जाता है जब खदानें खोल हैं या एम ओ यू होता है मेमोरेंडम होता है साइन किया जाता है और जब साइन किया जाता है तो उसमें तमाम प्रकार के दावे किए जाते हैं कि हम ऐसा विकास करेंगे लेकिन हमने देखा है कि वह सारे विकास के दावे खोखले हैं मैं देखता हूं कि यदि रायगढ़ में खदानें खुली है तो क्या रायगढ़ के लोग पलायन नहीं किए हैं अगर उनके दावे अगर झूठ नहीं होते तो सारे के सारे लोगों को रोजगार मिल गया होता लेकिन तमाम प्रकार के दावे उनके खोखले होते हैं यहां पूर्व में भी उपदपदह किया गया

			है क्या कंपनी के द्वारा किसी को भी माइनिंग का पढ़ाई किया कराया गया है क्या सोशल रिस्पांसेंस के जरिए उनका फंड जो प्रॉफिट का 3 प्रतिशत होता है क्या उसके जरिए लोगों का विकास किया गया है मुझे तो नहीं दिखाई देता की विकास किया गया है यदि विकास किया जाता है तो लगभग 35 साल से यहां पर माइनिंग हो रहा है और यदि 35 साल से यहां पर माइनिंग हो रहा है तो 35 साल में यहां के लोगों का जीवन स्तर आगे चल जाता लेकिन वर्तमान की स्थिति में भी उनका स्थिति ठीक वैसा ही है जैसे पूर्व में हुआ करता था इसका मतलब खदान के खुलने से लोगों के विकास का कोई मतलब नहीं है खदान के खुलने से केवल उद्योगपतियों के विकास का मतलब है जनता के विकास का मतलब नहीं है इसीलिए हम तो कहते हैं की खदान ना खोला जाए अगर क्षेत्र का विकास करना है लोगों का विकास करना है और देश का विकास करना है इसके विकल्प भी हो सकते हैं और वर्तमान की स्थिति में टोक्यो जापान के बाद भारत एकमात्र ऐसा देश है सेकंड मोस्ट पॉपुलेशन कंट्री और उसका नाम जो है सबसे दुनिया का सबसे प्रदूषित जगह जो है वह दिल्ली है उसके बाद फिर मैनपाट ना हो इस बात को ध्यान में रखा जाए यहां की जो नदी है वह एक जीवन रेखा है सिंचाई के क्षेत्र में भी और पेयजल के क्षेत्र में भी और जहां प्रस्तावित है खदान उसके कुछ दूरी में जो इसका उद्‌गम स्थल है और यदि खदान खोलना है और उसके सूखने जल स्रोत का कम होने का खतरा है वह मंडराता रहा है वह स्रोत खत्म ही हो जाएगा जो हाथियों का जो कॉरिडोर है उसका जो इधर बसावट है आज हाथी गांव की और आगे बढ़ रहे हैं सिर्फ और सिर्फ इसलिए हमने इतने साल से यहां पर रह रहे हैं जब तक आदिवासी यहां पर हजारों सालों से रह रहे हैं और हजारों सालों के इतिहास हमने पहले नहीं देखा की जंगली जानवर गांव की तरफ आकर के लोगों के घर घरों में घुसकर के फसल को बर्बाद कर रहे हैं लोगों का जनहानि कर रहे हैं घर का नुकसान कर रहे हैं यह हमने नहीं देखा लेकिन वर्तमान में की

			स्थिति में देखा जाए जंगलों का इतना कटाई हो रहा है कि आज जंगली जानवर घरों में घुस जा रहे हैं गांव में चले जा रहे हैं और यदि खदान खोलने है तो आज यदि खदान खोलने की सोच हैं पहले या जो सरई का पेड़ है वह मुझे मालूम है वह आदिवासियों की आस्था से जुड़ा हुआ है सरई का पेड़ साल का जो वृक्ष है आदिवासियों के आस्था से जुड़ा हुआ है मामला है और एक–एक पेड़ सैकड़ो साल पुराना है सैकड़ो वर्ष पुराना है यदि आपको खदान खोलने है पहले तो सर ई का पेड़ और पौधा उगा करके देखिए और जब तक वह बड़ा नहीं हो जाता 100 साल जब तक नहीं हो जाता है तब तक आप इंतजार करिए उसके बाद खदान खोलिए तो सारी बातों का एक बात कहा जाए तो हम खदान खोलने के पक्ष में नहीं है इसका वैकल्पिक व्यवस्था देखा जाए यदि देश का विकास करना है तो बहुत–बहुत धन्यवाद।
37	श्री बलराम यादव	मैनपाट	आज मैनपाट के जनसुनवाई में सम्मानीय अपर कलेक्टर साहब पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत जी आज यह नर्मदा पुर पर्यावरण मैनपाट के संबंध में खदान के संबंध में जनसुनवाई के आप सभी के बुलाए हम सब यहां पर उपस्थित हुए हैं मैनपाट पर्यावरण अपने आप में ही एक पर्यावरण है जैसा कि मैनपाट पर्यावरण या बॉक्साइट खदान के लिए यहां के पब्लिक हम सभी साथ जब पब्लिक जो बोलेगी उनके साथ यहां पर पर्यावरण विकास के लिए कुछ प्रयास करना चाहिए यहां का वातावरण हवा जल जंगल जमीन बचना चाहिए प्रशासन भी यहां आकर मैनपाट में आकर यहां आनंद लीजिए और मेरे कहने से खदान खुलेगा या बंद होगा हम पब्लिक के साथ हैं पब्लिक जो चाहेगी उसके साथ हमेशा खड़ा रहेंगे और हमेशा हम खदान और पर्यावरण के संबंध में मैनपाट को बचाना है हम सबको इसी के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं।
38	श्री चंद्रकेश्वर यादव	पीड़िया	मै बोलना चाह रहा हूं कि में पार्ट में यहां ऐसा कोई आदमी नहीं है जिसके पास गाय बैल बकरी ना हो सब अपना स्वार्थ देख रहे हैं कि हम लोगों को रोजगार मिल जाए कैसा रोजगार मिलेगा आज तक

			तो कभी रोजगार मिला ही नहीं है तो रोजगार आएगा कहां से सब बोलेंगे रोजगार मिलेगा यह मिलेगा वह मिलेगा गरीब को चुटिया बना रहे हो आदिवासियों को चुटिया बना रहे हो सबको ठग रहे हो मैनपाट के धरती माता को भी तुम लोग ठगना चाहते हो जिस धरती पर हम सब पैदा हुए हैं इतना पेड़ पौधा जानवर जीव जंतु हरा–भरा सब कुछ है यहां कण्डराजा से जो पानी निकाल कर जा रहा है वहां महानदी लिखा हुआ है काफी पुस्तक में देखने की महानदी कहां से निकलता है मछली प्वाइंट का जो पानी जा रहा है अंबिकापुर से पूरे शहर के लोग पी रहे हैं घुन घुट्टा बांध बंधया हुआ है धरती माता को खोदने के लिए तैयार हो गए मैनपाट में आकर अपने–अपना शहर सिटी में जहां–जहां जमीन होगा वहां खोद लिया जाए पैन कार्ड में कोई खदान नहीं खोलना चाहिए किसी को कोई प्रकार का नहीं है जाति पक्ष हो विवाद हो कुछ भी हो पार्टी हो भाजपा हो कांग्रेस हो उनके पक्ष में अपना धरती माता को बेचना चाहते हैं कोई पी के बचेगा कोई पैसा में बेचेगा आदिवासियों को कितना लूटोगे मैनपाट का कोई आदमी है क्या जो अंबिकापुर बिलासपुर में एक डिसमिल भी जमीन खरीद हो और बाहर के आदमी लोग आकर यहां एक–एक एकड़ 5–5 एकड़ जमीन खरीद ले रहे हैं क्या करना चाहते हो आदिवासियों को गोली मार दो फिर फिर खदान खोलो राज करो जो मन में आए वह करो छोटे–छोटे बच्चे लोग हैं यहां मैनपाट में कोई एक डिसमिल जमीन खरीद के मैं घर बना लेगा क्या बाहरी वाले आकर यहां प्लाट खरीद ले रहे हैं और यहां का आदमी कहां जाएगा माझी लोग को कोई बोला है आदिवासी है वहां गरीब है इनका एक हॉस्टल आज तक बना है कि उनका बच्चा पढ़ ले बड़े आदमी तो प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई करवा ले रहे हैं गरीब आदमी सरकारी स्कूल में जा रहा है पढ़ने मास्टर दारू पी के घूम रहा है मैनपाट में खदान खोलने के लिए किसी को अनुमति नहीं मिलना चाहिए मेरे मैनपाट में मैं नहीं रहता हूं मेरा घर पटपरिया है यहां के जमीन को मत बेचना जो धरती मां के लिए हम जी रहे हैं सब मिल जाएगा धरती मां नहीं मिलेगा या मेरा कहना है।

39	श्री मान साय	कण्डराजा	खदान खोलने से हमारा पूरा निस्तार खत्म हो जाएगा बाल बच्चा हम लोग कहां जाएंगे अभी हमार बैग भैया जितना हम लोग मान रहे हैं खदान खोलने से सारना है और चीज है मतलब कि हमारे लड़के बच्चे भी परेशान होंगे और आगे लकड़ी पेड़ पौधा है उसका भी नुकसान हो जाएगा उसके चलते पानी भी आ रहा है पानी भी बंद हो जाएगा डेढ़ 200 फीट में पानी है पानी के बिना समस्या ऐसे ही है पूरा क्षेत्र ही खत्म हो जाएगा हम लोग कहां जाएंगे हम लोग यही बोलते आए हैं कि हम लोग खदान नहीं खोलना देंगे हम लोग का संसार जीव खत्म हो जाएगा हम लोग बाल बच्चे सभी कोई आए हैं कण्डराजा के रहने वाला लेकिन हम लोग खदान खोलने के लिए नहीं देंगे।
40	श्री मंगल साय	कण्डराजा	ग्राम कण्डराजा के जो आदमी हैं वहां आदिवासी ज्यादा है हम लोग खदान खोलने के विरोधी है सभी लोगस खोलने के लिए कोई नहीं चाह रहा है गांव के जितने आदिवासी हैं खदान खोलने के सब विरोध में है ना खोलना देंगे ना उसके लिए कोई सहमति हम लोग देंगे।
41	उदल राम	मैनपाट	मैनपाट का पानी ना इधर उतरेगा ना उधर उतरेगा जो आदमी ब्लास्ट करेगा उसको मारूंगा मैं दिक्कत हो रहा है इसलिए बता रहा हूं नीचे तरफ अपना पानी उतरेगा ना उद्गम कला में पानी उतरेगा और ब्लास्ट होगा तो नीचे उतर जाएगा पानी ठीक है।
42	श्री जुगेश्वर	कण्डराजा	खदान नहीं खोलना चाहिए हम कण्डराजा के पूरा आदमी लोग विरोध कर रहे हैं।
43	श्री बिहानु उपसंरपंच	दरिमा	पहले तो मैं यही बोलना चाहता हूं कि पहले जो माईन्स खुला था गद्दा गद्दा पहाड़ जैसे बना दिए हैं कहीं गड्ढा है तो कहीं गड्ढा को प्लान करके दें मैं तो खदान का विरोध करता हूं अगर धोखे से खदान खोल भी गया तो अपने गांव के लोगों को रोजगार मिलना चाहिए बाहरी आदमी को नहीं मिलना चाहिए इस टाइप का काम हो और खदान खुला भी है खुल भी जाए तो खदान का जितना परसेंट रियलिटी है जिस पंचायत में माइन खुला है इस पंचायत में रियल्टी जाए इस पंचायत में विकास हो।
44	श्री सुमन नाग (पंच)	बरिमा	पिछले सत्र में जो खुल चुकी है उसका समतलीकरण जब तक ना किया जाए जब कभी जो मिट्टी रहा है मिट्टी नहीं कटनी चाहिए इटलीकरण

			चलना चाहिए और उसके बाद में होना चाहिए मैं इसका विरोध करता हूं।
45	श्री मुन्ना नाग	बरिमा	मैं खदान नहीं खुलने देने का खुलकर विरोध करता हूं उल्टा पानी का स्रोत नीचे चला जा रहा है क्योंकि मेरे खेत के नीचे जस्ट खदान के नीचे मेरा खेत है जहां हमेशा पानी रहता था जब से खदान खुला है तब से बरसात में भी पानी नहीं टिकता है इसलिए मैं खोलकर विरोध करता हूं और मैं यह चाहता हूं कि अभी अभी केवल विरोध नहीं कर रहा हूं जब तक मैं जिंदा रहूंगा तब तक विरोध करता रहूंगा और मैं यही कहता हूं कि जो पहले खदान खोले हैं उसमें बहुत गड्ढा है बहुत खाई है उसमें उसको पहले मारा बात करें उसमें मिट्टी डालें उसमें पौधा लगाए मेरा कहना यही है।
46	श्री लक्ष्मण मोरी (पंच)	बरिमा	खदान खुलने से मैं इनकार करता हूं क्योंकि खदान खुलने से बहुत जनहानि होता है पानी का स्रोत भी अंदर चला जाता है और हमारे वातावरण में भी प्रदूषण फैलता है अभी पिछले वर्ष जब खदान खुली थी जो गड्ढे उसको बराबर भी नहीं किया गया है उसको समतल भी नहीं किया गया है जिसमें हम उसमें कुछ भी नहीं कर सकते।
47	श्री संतोश कुमार चौहान	नर्मदापुर	शासन स्वयं संज्ञान लेकर अपने हिसाब से काम करे।
48	श्री आगर साय कुजुर	नर्मदापुर	खदान वहां ना खोला जाए इसके लिए हम विरोध करते हैं वहां खदान खुल जाएगा तो वहां नदी है सुख जाएगा।
49	श्री नरेन्द्र यादव	नर्मदापुर	सर मेरा यह कहना है यहां पर क्या सबसे बड़ा चीज है कि रोजगार तो मैं यह बोलना चाहता हूं कि जहां पर भी माइन्स खुलता है जिसका जमीन फसेगी तो उसको रोजगार मिलेगा कि नहीं चुने लोगों को रोजगार मिलेगा या तो बाहरी लोगों को मिलेगा यहां के लोगों को तो रोजगार नहीं मिलेगा अगर यह लिख कर देती है तो यहां सबको रोजगार मिलेगा माईन्स खुलने देंगे नहीं तो नहीं खुलने देंगे इससे भी ज्यादा पुरजोर विरोध होगा सबसे ज्यादा विरोध करेंगे।
50	श्री अवधेश यादव	मैनपाट	मैं ख़दान खुलने का समर्थन करता हूं।
51	श्री रवि शंकर यादव	बरिमा	मैं खदान खुलने का समर्थन करता हूं।

52	श्री राजेन्द्र यादव	कण्डराजा	मैं खदान खुलने का समर्थन करता हूं।
52	श्री श्याम बिहारी यादव	बरिमा	मैं खदान खुलने का समर्थन करता हूं।
54	श्री बनवरी यादव	नर्मदापुर	मैं बाक्साईड़ माईन खुलने का समर्थन करता हूं।
55	श्री सगत राम	बरिमा	मैं खदान खुलने का समर्थन करता हूं। रोजगार मिलना चाहिए।
56	श्री गेंदलाल भूतपूर्व सरपंच	बरिमा	खदान खुलना चाहिए गरीबो को रोजगार मिलना चाहिए।
57	श्री तेजु यादव	बरिमा	खदान खुलना चाहिए।
58	श्री हीरालाल पन्ना	नर्मदापुर	मैं खदान खुलने का जोर से विरोध करता हूं।
59	श्री माखन यादव	कण्डराजा	मैं खदान खुलने में सहमत करता हूं।
60	श्री शिकारी	बरिमा	**भाषा स्पष्ट नहीं।**
61	श्री अरविन्द महंत	बरिमा	मैं खदान खुलने का समर्थन करता हूं। और सभी को रोजगार मिलना चाहिए।
62	श्री बोध दास महंत	बरिमा	मैं खदान खुलने में सहमत करता हूं।
63	श्री शंकर	नमर्दापुर	मैं खदान का विरोध करता हूं।
64	श्री लालू यादव	बरिमा	मैं खदान खुलने का समर्थन करता हूं।
65	श्री महेश यादव	नमर्दापुर	मैं खदान खुलने का समर्थन करता हूं।
66	श्रीमती सतकुंवर	कण्डराजा	खदान नहीं खुलना चाहिए।
67	श्रीमती रामबाई	कण्डराजा	खदान खोलने का विरोध करता हूं।
68	श्रीमती बियासो	कण्डराजा	खदान नहीं खुलने देता हूं।
69	श्री मुन्ना	बरिमा	खदान खुलने का विरोध करता हूं।
70	श्री जगमोहन राम	कण्डराजा	खदान खुलने का विरोध करता हूं।
71	श्री नान्ही राम	बरिमा	जो खदान पहले खुला था उसका समतली करण कारण होना चाहिए बहुत लोगों का नाम पीएफ जो काटा है वह भी नहीं मिल पा रहा है इसके बाद सोचा जाएगा।
72	श्री गज्जू राम	कण्डराजा	अगर हमारे गांव में खदान खुल जाएगा तो हमारे गांव का पानी सूख जाएगा पानी पीने का बहुत बड़ा समस्या हो जाएगा हम लोग खदान नहीं खुलने देंगे
73	श्री धनेश्वर यादव	बरिमा	खदान खुलने का समर्थन करता हूं।
74	श्री अभय कुमार	बरिमा	मैं खदान खुलने का समर्थन करता हूं और सबको काम मिले मैं यही कहना चाहता हूं।
75	श्री रंग लाल	बरिमा	खदान खुलने का समर्थन करता हूं।
76	श्री सुखलाल	बरिमा	खदान खुलने का समर्थन करता हूं।
77	श्री संतोश यादव	बरिमा	खदान का समर्थन करता हूं।
78	श्री संजीत कुमार	कण्डराजा	खदान खुलने से मना करता हूं।

79	श्री मुकेश लकडा	नर्मदापुर	खदान नही खुलना चाहिए। मैं फुल विरोध करता हूं।
80	श्री इंदल राम	कण्डराजा	खदान नहीं चाहिए हम लोगों को।
81	श्री बिहानु राम	कण्डराजा	कण्डराजा से विरोध करता हूं।
82	श्री आतराम	कण्डराजा	विरोध करता हूं।
83	श्री सुखलाल	कण्डराजा	खदान नहीं खुलने देगें विरोध कर रहा है हम।
84	श्री रामप्रकाश	नागडांड	खदान नहीं खुलने देगें सबको हटाना है।
85	श्री राजेश्वर	कण्डराजा	हम लोग खदान नहीं खुलने देगें।
86	श्री मनीराम	कण्डराजा	बरिमा खदान खुलना चाहिए मिट्टी पाटना चाहिए गड्डा नहीं दिखना चाहिए, खदान चालू होना चाहिए।
87	श्री अनिल कुमार दास	बरिमा	खदान खुलना चाहिए।
88	श्री पंखराज नाग	माझापारा बरिमा	मेरे नाम से पूर्वजों का 120 एकड़ जमीन है उसमें से 5 एकड़ जमीन खदान एरिया में फस गया है उसका मुआवजा कौन ले लेकर खा रहा है और सेटलमेंट मेरे पास है सर इसको इंक्वारी किया जाए उसके बाद उसका मुआवजा दिया जाए 2 साल पहले से भी मुआवजा नहीं दिया गया है और पट्टा मेरे हाथ में है मेरा इंक्वारी किया जाए और मेरा पट्टा का जमीन का मुआवजा कौन खा रहा है उसके बाद आपको खदान खुले या ना खुले मुआवजा तक नहीं लिया हूं मेरा जमीन का पूरा सीमांकन दिया जाए धन्यवाद। विरोध।
89	श्री परमेश्वर	कण्डराजा	मैं विरोध का चक्कर में हूं मैं खदान नहीं खुलने दुंगा मैं। गांव जो बोलेगा वही होगा एक दो लोग के बोलने से क्या होगा।
90	श्री सुनील कुमार	नर्मदापुर	मैं खदान खुलने से विरोध करता हूं।
91	श्री गुरुबदन	कण्डराजा	खदान खुलने से विरोध करता हूं।
92	श्री विकुल राम	कण्डराजा	खदान नहीं खुलने दुंगा हम लोग।
93	श्री सहदेव यादव उपसरपंच	पथरई	पर्यावरण को देखते हुए खदान खोला जाये और सभी को रोजगार मिले।
94	श्री रमाशंकर चतुर्वेदी	रोपाखार	मेरे को ऐसा लगता है यहां के लोगों को खदान का विरोध नहीं है माईन्स के नियम के तहत इनका व्यवस्थापन करना पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए और यह गड्ढा वगैरा ब्लास्ट करके पैसे निकाल कर छोड़ कर चल गए हैं और बहुत कुछ समस्याएं हैं तो गांव वाले का भी कहना ठीक है और इनका जो मांग है और खान अधिनियम के तहत जो भी

			योजना है यहां के जनहित को देखते हुए सबको ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन से निवेदन है और खास कर यहां के स्थाई जिस गांव में खदान खुल रहा है वहां के गांव के लोगों को पहले प्राथमिकता दिया जाए और उनकी भावनाओं को समझते हुए माईन्स को चलाइए पर्यावरण को विशेष का ध्यान दिया जाए यही कहना है मेरा।
95	श्री रविनाथ	नर्मदापुर	मैं खदान खुलने का सख्त विरोध करता हूं।
96	श्री ईश्वर यादव	नर्मदापुर	खदान खुलने का समर्थन करता हूं।
97	श्री नेहर साय	नर्मदापुर	खदान नहीं खुलने देंगे गाय गोरु कहां चरायेगें कण्डराजा ग्राम से सीधे हाथी आएगा बस्ती में, कहां जाएंगे, जब हाथी आएंगे, तो लोग कहां जाएंगे, खदान चालू होगा तो कहां गाय चरायेगें।
98	श्री धरम साय	कण्डराजा	विरोध।
99	श्री हरिनाग	बरिमा	मैं यह कह रहा हूं हम लोग देखिए गरीब दुखी हैं आदिवासी हैं यहां कहीं खदान खुलता है चाहे खुलेगा या नहीं खुलेगा अपना रोजी–रोटी कैसे भी करके बिताते हैं और जब खदान यहां खुलेगा तो हम लोगों को कोई भी हमारे जो भी भाई भतीजा रिश्तेदार हैं उन लोगों को डिफाल्टर घोषित कर देते हैं और जो समझदार हैं हम लोग तो अनपढ़ हैं गवार हैं वह लोग आगे आ जाते हैं यह सब नहीं चलेगा और खदान खुल जाएगा तो वहां बड़ा–बड़ा घेराव लगा दे नो प्रॉब्लम मैं खदान का समर्थन कर रहा हूं।
100	श्री पारस राम		4 एकड जमीन फंस गया है हम खदान का विरोध कर रहे है।
101	श्री सियाराम	कुदरीडीह	खदान नहीं खुलना चाहिए नही खुलना चाहिए।
102	श्री बरसेना	बरिमा	मैं खदान का खुलकर विरोध करता हूं।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, अंबिकापुर, जिला–सरगुजा तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, अंबिकापुर द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया। किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुआ, तब क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, अंबिकापुर द्वारा लोक सुनवाई के दौरान आये विभिन्न मुद्दों के निराकरण/जवाब हेतु परियोजना प्रस्तावक को आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से **श्री विद्या कांत द्विवेदी** द्वारा प्रस्तावित परियोजना के सम्बंध में लोकसुनवाई के दौरान उठाये गये मुख्य मुद्दों के निराकरण हेतु

उपस्थित जन समुदाय को मौखिक रूप से अवगत कराया गया। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया जो निम्नानुसार है :–

मैं विद्याकांत द्विवेदी मां कुदरगढ़ी स्टील प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के तरफ से यहां आए सभी ग्राम वासियों को अस्वस्त करना चाहता हूं, हमारे द्वारा प्रस्तुत किए गए रिपोर्ट में जो भी बिंदु उल्लेखित है उन सभी का अक्षरशः पालन किया जाएगा और आप आज की सभा में आप लोगों की तरफ से जो भी विचार आए हैं, जो भी प्रस्ताव आए हैं, उन सभी पर विचार करके उनका अनुपालन करने की कोशिश की जाएगी तथा इस खदान क्षेत्र अगर किसी से जमीन संबंधी कोई विवाद होता है तो अयस्क उत्खनन से पूर्व प्रशासन की मदद से उसको समाधान किया जाएगा साथ ही हम आपको यह भी अस्वस्त करते हैं की भू अर्जन तथा जन स्वीकृति की नियम अनुसार पूर्ण किया जाएगा, अंत में मैं यहां प्रशासन के सभी अधिकारी और सुरक्षाकर्मियों तथा ग्राम वासियों का धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। धन्यवाद!

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में **10** आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका–टिप्पणियां प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से परियोजना के संबंध में सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोकसुनवाई के दौरान कुल **102** व्यक्तियों द्वारा मौखिक आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका–टिप्पणियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई के दौरान उपस्थित जनसमुदायों मे से कुल **67** लोगों ने हस्ताक्षर किये हैं। संपूर्ण लोक सुनवाई कार्यवाही का वीडियोग्राफी कराई गई।

तत्पश्चात् अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, अंबिकापुर, जिला–सरगुजा द्वारा लोकसुनवाई में उपस्थित सभी जन समुदाय को लोकसुनवाई में भाग लेने एवं आवश्यक सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हुये दोपहर **04:00** बजे लोकसुनवाई की कार्यवाही समाप्त करने की घोषणा की गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल
अंबिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.)

अपर कलेक्टर
एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी,
अंबिकापुर, जिला–सरगुजा